



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1993 (फाल्गुन 15, 1914)  
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1993 (PHALGUNA 15, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं . . . . .	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों जिनमें (सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) . . . . .
231	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश . . . . .
253	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .
3	195
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं . . . . .	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .
361	167
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .
*	*
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ . . . . .	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .
*	10489
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट . . . . .	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस . . . . .
*	33
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) . . . . .	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला अनुपूरक . . . . .
*	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	
*	

\*आंकड़े प्राप्त नहीं ।

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	231	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . .	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court. . . . .	253	PART II—SECTION—4 Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence. . . . .	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	195
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	361	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs . . . . .	167
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	10489
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . .	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private bodies. . . . .	33
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi. . . . .	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii) —Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*		

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 फरवरी 1993

सं० 27/10/93-सी० एल०-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209क की उपधारा (1) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री बी० एम० जैन, कम्पनी लेखाकार को उक्त धारा 209क के प्रयोजन के लिए प्राधिकृत करती है।

आर० एन० वासवानी,  
अवर सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 18 जनवरी 1993

संकल्प १

फा० सं० 4-4/89-सी० एच० 5/सी० एच० I—जिस संकल्प सं० एफ०-27-4/85-सी० एच० 5 दिनांक 7 अक्टूबर, 1985 के तहत, इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी का गठन किया गया था, उसका अतिक्रमण करते हुए, राष्ट्रपति इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी के नियमों और विनियमों के नियम 4, 23, 39 के अंतर्गत क्रमशः इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी, कार्यकारी समिति और वित्त समिति का, कार्यालय में कार्य भार संभालने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए अथवा सोसायटी का पुनर्गठन होने तक, जो भी पहले हो, पुनर्गठन करते हैं।

इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी का गठन

1. प्रो० जी० सी० पाण्डे, अध्यक्ष  
11, बलराम पुर हाउस,  
इलाहाबाद।
2. श्री एस० बनर्जी, पदेन सदस्य  
वित्त सलाहकार संस्कृति विभाग,  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,  
नई दिल्ली।
3. सोसायटी के मामले से संबंधित संस्कृति विभाग का एक प्रतिनिधि पदेन-सदस्य

4. आयुक्त,  
इलाहाबाद,  
उत्तर प्रदेश। पदेन-सदस्य

5. श्री डी० के० भट्टाचार्य, सदस्य  
डी० 58/52, सी०, सिगरा  
वाराणसी-221010।

6. डा० एस० एम० नायर, पदेन-सदस्य  
निदेशक,  
राष्ट्रीय संग्रहालय एवं प्राकृतिक इतिहास,  
बाराखम्भा रोड,  
नई दिल्ली।

7. प्रो० विशंभर शरण पाठक, सदस्य  
रिटायर्ड प्रोफेसर एवं प्राचीन इतिहास  
संस्कृति एवं पुरातत्व प्रमुख,  
गोरखपुर, विश्वविद्यालय।

8. प्रो० एस० सी० भट्टाचार्य, सदस्य  
प्राचीन इतिहास के विभागाध्यक्ष,  
इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

9. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का एक पदेन-सदस्य  
प्रतिनिधि।

10. पर्यावरण विभाग का एक पदेन-सदस्य  
प्रतिनिधि।

11. संयुक्त सचिव, पदेन-सदस्य  
वित्त प्रभाग,  
उत्तर प्रदेश शासन,  
लखनऊ।

12. डा० एस० सी० काला, सदस्य  
पूर्व-निदेशक,  
इलाहाबाद संग्रहालय 63-ई,  
स्टानले रोड,  
इलाहाबाद।

13. निदेशक, पदेन-सदस्य  
सांस्कृतिक कार्य विभाग,  
उत्तर प्रदेश जवाहर भवन,  
लखनऊ।

14. निदेशक, सदस्य-सचिव  
इलाहाबाद संग्रहालय

## इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी की कार्यकारी समिति

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1993.

1. प्रो० जी० सी० पाण्डे अध्यक्ष
2. प्रो० एस० सी० भट्टाचार्य, सदस्य  
प्राचीन इतिहास के विभागाध्यक्ष,  
इलाहाबाद विश्वविद्यालय ।
3. श्री डी० के० भट्टाचार्य, सदस्य  
डी 58/52 सी, सिगरा,  
वाराणसी-221020 ।
4. सोसायटी के मामलों से संबंधित संस्कृति पदेन-सदस्य  
विभाग का एक प्रतिनिधि ।
5. निदेशक, पदेन-सदस्य  
सांस्कृतिक कार्य विभाग,  
उत्तर प्रदेश शासन
6. श्री एस० बनर्जी, पदेन-सदस्य  
वित्त सलाहकार,  
संस्कृति विभाग,  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
7. निदेशक, सदस्य-सचिव  
इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी  
वित्त समिति
1. श्री एस० बनर्जी, पदेन-सदस्य  
वित्त सलाहकार,  
संस्कृति विभाग,  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
2. इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी में पदेन-सदस्य  
संबंधित संस्कृति विभाग,  
संयुक्त सचिव
3. संयुक्त सचिव, पदेन-सदस्य  
वित्त विभाग,  
उत्तर प्रदेश शासन,  
लखनऊ
4. श्री डी० के० भट्टाचार्य, सदस्य  
डी 58/52 सी० सिगरा,  
वाराणसी-221010 ।
5. निदेशक, सदस्य  
इलाहाबाद संग्रहालय सोसायटी ।

आदेश :—आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों तथा राज्य सरकारों एवं संघ शासित क्षेत्रों को भेजी जाए । यह भी आदेश दिया जाता है कि जन-साधारण की सूचनार्थ संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

अशोक वाजपेयी,  
संयुक्त सचिव

संख्या क्यू०-16012/1/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०)—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियम और विनियमों के नियम 3(vi) के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा श्रम सचिव, मध्य प्रदेश शासन और सचिव, सिविकम सरकार (श्रम विभाग) के स्थान पर क्रमशः श्रम सचिव, श्रम विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार और विशेष आयुक्त एवं सचिव, असम सरकार (श्रम एवं नियोजन विभाग) को इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से दो वर्ष के लिये केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है ।

2. तदनुसार श्रम मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-I में प्रकाशित तथा समय-समय पर संशोधित दिनांक 25 जून, 1992 की अधिसूचना संख्या क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे :—

(i) वर्तमान प्रविष्टि अर्थात् :—

“5. सचिव,  
मध्य प्रदेश शासन,  
श्रम विभाग,  
भोपाल (म० प्र०) ।

“7. सचिव,  
सिविकम सरकार  
(श्रम विभाग),  
गंगटोक (सिविकम) ।

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“5. सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन,  
श्रम विभाग,  
लखनऊ (उ० प्र०)

“7. विशेष आयुक्त एवं सचिव,  
श्रम एवं नियोजन विभाग,  
असम सरकार” ।

जी० के० भट्टाचार्य  
संयुक्त सचिव

सं० क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) (.)—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4(iv) के साथ पठित नियम 3(ii) के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा श्री लालफाक जुआला, संयुक्त सचिव, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार के स्थान पर श्री जी० के० भट्टाचार्य, संयुक्त सचिव, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार को 25 अगस्त, 1992 से केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है ।

2. तदनुसार, श्रम मंत्रालय द्वारा भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-I में दिनांक 25 जून 1990 को प्रकाशित अधिसूचना संख्या क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) में समय-समय पर किये गये यथासंशोधन में निम्नलिखित परिवर्तन किये जाएंगे :—

(i) वर्तमान प्रविष्टि अर्थात् :—

“2” श्री लालफाक जुआला,  
संयुक्त सचिव,  
श्रम मंत्रालय,  
नई दिल्ली ।

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“2” श्री जी० के० भट्टाचार्य,  
संयुक्त सचिव,  
श्रम मंत्रालय,  
भारत सरकार,  
नई दिल्ली ।

जी० के० भट्टाचार्य  
संयुक्त सचिव

दिनांक 1 फरवरी 1993

सं०-क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) (.)—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4(iv, v एवं vii) के साथ पठित नियम 3(iii) के अनुसरण में, भारत सरकार एतद्द्वारा श्री रेणुकादेवी बोरकोटोकी, अध्यक्ष, इंटक, असम शाखा गुवाहाटी, श्री रवि आर्य संगठन सचिव, इंटक भिलाई (म० प्र०) और श्री आर० पी० मुरगेसन, महासचिव, अखिल भारतीय नेशनल बैंक कर्मचारी परिसंघ, मद्रास के स्थान पर केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने के लिये क्रमशः श्री शंकरराव एम० यादव, महासचिव, राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ, बम्बई, श्री मांगीलाल जोशी, महासचिव, इंटक, मध्य प्रदेश, देवास और श्रीमती शांता गोविन्दराज, सिकन्दराबाद को इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है ।

2. तदनुसार भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-I में प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित श्रम मंत्रालय की दिनांक 25 जून, 1990 की अधिसूचना संख्या क्यू०-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) में निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे :—

(I) विद्यमान प्रविष्टि अर्थात्;

(1) “13” श्रीमती रेणुकादेवी बोरकोटोकी  
अध्यक्ष,  
इंटक,  
असम शाखा  
के० सी० सेन रोड़,  
पल्टन बाजार,  
गुवाहाटी-781001 (असम)” ।

(2) “14” श्री रवि आर्य,  
संगठन सचिव,  
इंटक,  
पो० वा०-सं०-38,  
जीवन फूकन नगर  
डिब्रूगढ़-786001” ।

(3) “16” श्री आर० पी० मुरगेसन,  
महासचिव अखिल भारतीय  
नेशनल बैंक कर्मचारी परिसंघ  
45, रोयापेट्टा हाई रोड  
मद्रास-600014” ।

(II) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायें, अर्थात् :—

(1) “13” श्री शंकर राव एम० यादव  
महासचिव राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ  
जी० डी० अम्बेकर मार्ग,  
परेल,  
बम्बई-400012” ।

(2) श्री मांगीलाल जोशी  
महासचिव,  
इंटक,  
मध्य प्रदेश शाखा  
98, कर्मचारी कालोनी  
स्टेशन रोड़  
देवास (मध्य प्रदेश) ।

(3) “16” श्री शांता गोविन्दराज  
मकान सं०-10-1-5/1/2  
मारेदपल्ली पश्चिम,  
सिकन्दराबाद-500026  
(आंध्र प्रदेश) ।

जी० के० भट्टाचार्य  
संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी, 1993

सं० क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) (.)—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4-(iv) के साथ पठित नियम 3(ii) के अनुसरण में भारत सरकार एतद्द्वारा श्री आर० के० चक्रवर्ती, संयुक्त सचिव, जल संसाधन मंत्रालय (श्रम मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार), भारत सरकार, नई दिल्ली के स्थान पर इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से श्री कौशल राम, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय (कोयला और श्रम विभाग के वित्तीय सलाहकार), भारत सरकार, नई दिल्ली को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है ।

तदनुसार, भारत के राजपत्र भाग-1 खंड-1 में प्रकाशित और समय-समय पर यथा संशोधित श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) दिनांक 25 जून, 1990 में निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे :—

(1) वर्तमान प्रविष्टि, अर्थात्

“3. श्री आर० के० चक्रवर्ती,  
संयुक्त सचिव  
जल संसाधन मंत्रालय  
(श्रम मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार)  
भारत सरकार,  
नई दिल्ली” ।

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्

“3. श्री कौशल राम,  
संयुक्त सचिव,  
वित्त मंत्रालय  
(कोयला और श्रम विभाग के वित्तीय  
सलाहकार)  
भारत सरकार  
नई दिल्ली” ।

जी० के० भट्टाचार्य  
संयुक्त सचिव

सं० क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०)  
(.) केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों  
के नियम-4(v) और (vii) के साथ पठित नियम 3(iv)

के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा, श्री जोगिन्दर कुमार, अध्यक्ष, यूनाइटेड साइकिल एंड पार्ट्स विनिर्माता संघ, लुधियाना के स्थान पर इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से भारतीय लघु उद्योग संघ के परिसंघ का प्रतिनिधित्व करने के लिए श्री पी० बी० दुग्गल, ई-222, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110068 को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के एक सदस्य के रूप में नियुक्त करती है ।

तदनुसार, भारत के राजपत्र भाग-1 खण्ड-1 में प्रकाशित और समय-समय पर यथा संशोधित श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या क्यू-16012/2/89-ई० एस० ए० (डब्ल्यू० ई०) दिनांक 25 जून, 1990 में निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे :—

(1) वर्तमान प्रविष्टि, अर्थात्

“श्री जोगिन्दर कुमार,  
अध्यक्ष,  
यूनाइटेड साइकिल एंड पार्ट्स विनिर्माता संघ  
गिल रोड,  
लुधियाना-141003” ।  
(एफ० ए० एस० आई० आई०)

(ii) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्

“12. श्री पी० बी० दुग्गल  
ई-222, न्यू राजेन्द्र नगर  
नई दिल्ली-110068”

जी० के० भट्टाचार्य  
संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

New Delhi, the 4th February 1993

No. 27/10/93-CL.II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise Shri B. M. Jain, Company Accountant in the Department of Company Affairs for the purpose of the said section 209-A.

R. N. VASWANI  
Under Secy.

a period of five years from the date of assumption of office or till the society is reconstituted whichever is earlier.

Composition of Allahabad Museum Society

Chairman

1. Prof. G. C. Pandey,  
11, Balram Pur House,  
Allahabad.

Ex-officio-Member

2. Shri S. Banerjee,  
Financial Adviser,  
Dept. of Culture,  
Ministry of Human Resource Development,  
New Delhi.

3. One representative of the Dept. of Culture  
dealing with matter relating to the Society.

4. Commissioner, Allahabad,  
Uttar Pradesh.

Member

5. Shri D. K. Bhattacharya,  
D 58.52 C, Sagra Varanasi-221010.

Ex-officio-Member

6. Dr. S. M. Nair, Director,  
National Museum & Natural History,  
Barakhamba Road, New Delhi.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT  
(DEPARTMENT OF CULTURE)

New Delhi, the 18th January 1993

RESOLUTION

No. 4-4/89-CH.5/CH.I.—In supersession of Resolution No. F. 27-4/85-CH.5 dated 7th October, 1985 constituting the Allahabad Museum Society, the President is pleased to re-constitute the Allahabad Museum Society, Executive Committee & Finance Committee under Rule 4, 23, 39 respectively of the Rules & Regulations of Allahabad Museum Society

## Member

7. Prof. Vishambhar Sharan Pathak,  
Retd. Prof. and Head of Ancient History  
Culture and Archaeology, Gorakhpur  
University.
8. Prof. S. C. Bhattacharya,  
Head of Department of Ancient History,  
University of Allahabad.

## Ex-officio-Member

9. One representative of Ministry of  
Information and Broadcasting.
10. One representative of Deptt. of Environment.
11. Joint Secretary,  
Finance Division,  
U.P. Govt., Lucknow.

## Member

12. Dr. S. C. Kala, Ex-Director,  
Allahabad Museum, 63-E, Stanely Road,  
Allahabad.
13. Director, Deptt. of Cultural Affairs,  
Uttar Pradesh Jawahar Bhawan,  
Lucknow.

## Member-Secretary

14. Director, Allahabad Museum,  
Allahabad.

*executive Committee of Allahabad Museum Society*

## Chairman

1. Prof. G. C. Pandey.

## Member

2. Prof. S. C. Bhattacharya,  
Head of the Deptt. of Ancient History,  
University of Allahabad.
3. Shri D. K. Bhattacharya,  
D 58/52 C, Sagra,  
Varanasi-221020.

## Ex-officio-Member

4. A representative of the Department of Culture  
dealing with matters relating to the Society.
5. Director,  
Deptt. of Cultural Affairs,  
Govt. of U.P.
6. Shri S. Banerjee, Financial Adviser,  
Department of Culture, M/O H.R.D.

## Member-Secretary

7. Director,  
Allahabad Museum Society.

*Finance Committee*

## Ex-officio-Member

1. Shri S. Banerjee,  
Financial Adviser, Deptt. of Culture  
Ministry of Human Resource Development.
2. Joint Secretary, Deptt. of Culture  
dealing with Allahabad Museum Society.
3. Joint Secretary, Finance Deptt.  
Govt. of U.P. Lucknow.

## Member

4. Shri D. K. Bhattacharya,  
D 58/52 C, Sagra,  
Varanasi-221020.
5. Director,  
Allahabad Museum Society.

## ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Department of the Government of India and to all State Government and Union Territories.

Order also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ASHOK VAJPEYI  
Jt. Secy.

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 29th January 1993

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(vi) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint the Labour Secretary, Department of Labour, Govt. of Uttar Pradesh and the Special Commissioner & Secretary to the Govt. of Assam (Department of Labour & Employment) as members of the Central Board for Workers Education in place of the Labour Secretary, Government of Madhya Pradesh and the Secretary to the Government of Sikkim (Department of Labour) respectively for a period of two years from the date of issue of this Notification.

2. The following changes shall, accordingly, be made in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1992, published in the Gazette of India, Part-I Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry viz :—

“5. Secretary to the Government  
of Madhya Pradesh,  
Labour Department,  
Bhopal (M.P.).

“7. Secretary to the Govt. of  
Sikkim (Department of Labour),  
Gangtok (Sikkim).

(ii) the following entry shall be substituted viz :—

“5. Secretary to the Government  
of Uttar Pradesh,  
Department of Labour,  
Lucknow (U.P.).

“7. Special Commissioner & Secretary,  
Department of Labour & Employment,  
Government of Assam.”

G. K. BHATTACHARYA  
Jt. Secy.

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(ii) read with Rule 4(iv) of the Rules and Regulations of the Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri G. K. Bhattacharya, Joint Secretary in the Ministry of Labour, Govt. of India, New Delhi as a member on the Central Board for Workers Education in place of Shri Lalfak Zuala, Joint Secretary, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi with effect from 25th August, 1992.

2. The following changes shall accordingly be made in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA (WE) dated the 25th June, 1990 published in the Gazette of India Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry viz :—

“2” Shri Lalfak Zuala,  
Joint Secretary,  
Ministry of Labour,  
New Delhi.

(ii) the following entry shall be substituted viz :—

“2” Shri G. K. Bhattacharya,  
Joint Secretary,  
Ministry of Labour,  
Government of India,  
New Delhi.

G. K. BHATTACHARYA  
Jt. Secretary

The 1st February 1993

The 4th February 1993

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(ii) read with Rule 4(iv, v & vii) of the Rules and Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri Shankar Rao M. Yadav, General Secretary, Rashtriya Mill Mazdoor Sangh, Bombay, Shri Mangilal Joshi, General Secretary, INTUC, Madhya Pradesh Branch, Dewas and Smt. Shanta Govindraj of Secunderabad, as Members of the Central Board for Workers Education in place of Smt. Renukadevi Borkotoky, President, INTUC, Assam Branch, Guwahati, Shri Ravi Arya, Organising Secretary, INTUC, Bhilai (M.P.) and Shri R. P. Murgesan, General Secretary, All India National Bank Employees Federation, Madras respectively to represent Indian National Trade Union Congress on the Central Board for Workers Education with effect from the date of issue of this Notification :—

2. The following changes shall be made, accordingly, in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated 25th June, 1990, published in the Gazette of India, Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry viz :—

- (1) "13" Smt. Renukadevi Borokotoky,  
President, INTUC Assam Branch,  
K. C. Sen Road, Paltan Bazar,  
Guwahati-781001 (Assam)."
- (2) "14" Shri Ravi Arya,  
Organising Secretary, INTUC,  
Post Box No. 38, Jiban Phukan Nagar,  
Dibrugarh-786 001."
- (3) "16" Shri R. P. Murgesan,  
General Secretary, All India  
National Bank Employees Federation,  
45, Royapettah High Road,  
Madras-600 014."

(ii) the following entry shall be substituted viz :—

- (1) "13" Shri Shankar Rao M. Yadav,  
General Secretary,  
Rashtriya Mill Mazdoor Sangh,  
G.D. Ambedkar Marg,  
Parel, Bombay-400 012.
- (2) "14" Shri Mangilal Joshi,  
General Secretary,  
INTUC M.P. Branch,  
98, Karamchari Colony,  
Station Road, DEWAS (M.P.)
- (3) "16" Smt. Shanta Govindraj,  
H. No. 10-1-5/1/2 Mareedpalli West,  
Secunderabad-500 026  
(Andhra Pradesh)".

G. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy.

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(ii) read with Rule 4(iv) of the Rules & Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India appoint Shri Kaushal Ram Joint Secretary, Ministry of Finance (Financial Adviser to the Department of Coal & Labour) Govt. of India, New Delhi as a member on the CBWE, in place of Shri R. K. Chakrabarti, Joint Secretary, Ministry of Water Resources (Financial Adviser to Ministry of Labour) Government of India, New Delhi with effect from the date of issue of this Notification.

The following changes shall, accordingly, be made in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1990, published in the Gazette of India Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry, viz :—

- "3. Shri P. K. Chakrabarti,  
Joint Secretary,  
Ministry of Water Resources,  
(Financial Adviser to the Ministry of Labour),  
Government of India, New Delhi."

(ii) the following entry shall be substituted, viz :—

- "3. Shri Kaushal Ram,  
Joint Secretary,  
Ministry of Finance,  
(Financial Adviser to the Department of  
Coal & Labour),  
Government of India, New Delhi."

G. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy.

No. Q-16012/2/89-ESA(WE)(.).—In pursuance of Rule 3(iv) read with Rule 4(v) & (vii) of the Rules and Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri P. B. Duggal, E-222, New Rajinder Nagar, New Delhi-110 068, as a member of the Central Board for Workers Education in place of Shri Joginder Kumar, President, United Cycle & Parts Manufacturers Association, Ludhiana, to represent Federation of Association of Small Industries of India, New Delhi from the date of issue of this Notification.

The following changes shall be made accordingly in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated the 25th June, 1990, published in the Gazette of India, Part-I, Section-I, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry, viz :—

- "Shri Joginder Kumar,  
President,  
United Cycle & Parts Manufacturers Association,  
Gill Road,  
Ludhiana-141003." (FASIU).

(ii) the following entry shall be substituted, viz :—

- "12. Shri P. B. Duggal,  
E-222, New Rajinder Nagar,  
New Delhi-110 068."

G. K. BHATTACHARYA, Jt. Secy.



## रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

## नियम

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1993

नियमावली

सं. 92/इ. (जी. आर.)-1/18/2--निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियाँ भरने के लिए 1993 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली स्म्मिलित प्रतियोगिता इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

## वर्ग 1--सिविल इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (4) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' (सिविल इंजीनियरी पद)
- (5) सैनिक इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)
- (6) सैन्य इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग)
- (7) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (8) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क'
- (9) डाक व तार भवन निर्माण (ग्रुप-क) सेवा के सहायक इंजीनियर (सिविल),
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी, सेवा ग्रुप 'क'

## वर्ग 2--यांत्रिक इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा यांत्रिक (इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (4) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (6) भारतीय नौ सेना, आयुध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (7) सैन्य इंजीनियरी सेवा (वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (8) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी का पद) तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (10) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक) यांत्रिक इंजीनियरी पद सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ।

- (11) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ) ।
- (12) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' ।
- (13) सहायक प्रबंधक (कारखाना), दूर संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।
- (14) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप 'क' (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।

## वर्ग 3--वैद्युत इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं, पद

- (1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय नौसेना आयुध सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (6) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (7) सहायक कार्यकारी इंजीनियरी (वैद्युत) डाक्टर भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा ।
- (8) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत और यांत्रिक) वैद्युत इंजीनियरी पद, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ।
- (10) सहायक प्रबंधक (कारखाना), दूरसंचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।

## वर्ग 4--इलेक्ट्रॉनिकी और दूर-संचार

## इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' सेवाएं/पद

- (1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (दूर-संचार) (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (3) भारतीय दूर-संचार सेवा ।
- (4) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और सम्न्वय मन्त्रालय/अनुश्रवण संगठन ।
- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।
- (6) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (7) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद) ।
- (8) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा (दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।

- (10) भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' (इलैक्ट्रानिकी एवं दूर-संचार इंजीनियरी पद) ।
- (11) सहायक प्रबंधक (कारखाना), दूर-संचार विभाग (दूर-संचार कारखाना संगठन) ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित नीति से ली जाएगी । परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा ।

2. उम्मीदवार उपायुक्त सेवाओं/पदों के वर्ग में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है । उसे अपने आवेदन-पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिसके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो ।

**विशेष ध्यान 1 :—**उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह अपने आवेदन-पत्र में उन सभी सेवाओं/पदों का वरीयता क्रम में उल्लेख करें जिन सेवाओं/पदों के लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हैं । यदि वह किसी सेवा/पद का वरीयता क्रम नहीं लिखता है अथवा आवेदन-पत्र में किसी सेवाओं/पदों को शामिल नहीं करता है तो यह मान लिया जाएगा कि वह सेवाओं/पदों के लिए उसकी कोई विनिर्दिष्ट वरीयता नहीं है और पदों के विषय में सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवारों के वरीयताओं के अनुसार आवंटन करने के लक्ष्य के लिए प्रतिक्रिया होगी जिसमें किसी भी ओर सेवाओं/पदों पर अधिकारता में दिए गए क्रम के आधार पर आवंटन कर दिया जाएगा । इस प्रकार का आवंटन करने समय उन उम्मीदवारों के हटाने गए "क" सेवाओं/पदों और बाद में ग्रुप "ख" सेवाओं/पदों के लिए विचार किया जाएगा ।

**विशेष ध्यान 2 :—**उम्मीदवार जिन सेवा/पद से संबंध वर्ग/वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है । आयोग या रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) उम्मीदवारों के कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशिष्टित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए ।

**विशेष ध्यान 3 :—**उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता हटाने जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हैं और जिनके लिए वे प्रतियोगी हैं । जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से संबंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाना है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ।

**विशेष ध्यान 4 :—**वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें आय सीएम से हटाने के अधीन [देखिए नियम 5 (ख)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गई है, अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकते हैं । तथापि पहले उन्हें उनके रोजगारक्रम के अनुसार उनकी वर्तमान विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न

होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा ।

**विशेष ध्यान 5 :—**नियम 6 के उपबंध में अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबंध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं यदि कोई हों, पर विचार नहीं किया जाएगा ।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी । अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थाई निवास के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ निवृत्ति शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और केन्या उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार, के पूर्वो अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम) से प्रवृत्त कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो ।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ), और (ङ.) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो ।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो ।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आय 1 अगस्त, 1993 को 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष परी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1965 से पहले और 1 अगस्त, 1973 के बाद न हुआ हो ।

(ख) नियम—2 के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम—1 में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के निबंधाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश करने के लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवेदन कर सकते हैं—उसकी आय-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी ।

(1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप में स्थायी पद पर है। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्ति परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1993 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम -1	कालम-2
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप 'क', सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप 'क'।
मुख्य अभियंता, सेना मुख्यालय	सैनिक इंजीनियरी सेवा, ग्रुप (क) (जी० एवं आर० संवर्ग तथा निर्माण सर्वेक्षण संवर्ग) सैनिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप "क" (ई० एवं एम० संवर्ग)
आयुध कारखाना महा-निदेशालय	आई०ओ०एफ०एस० ग्रुप 'क'
केन्द्रीय जल आयोग	सी० डब्ल्यू० ई० (ग्रुप 'क') सेवा सी० पी०
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण	ई० ग्रुप (क) सेवा इंजीनियर (ग्रुप 'क')।
बेतार आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध अनुश्रवण संगठन	
वाकाशवाणी/दूरदर्शन	भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान
भारतीय नौसेना संचार मंत्रालय, दूर संचार विभाग तथा डाक विभाग	भारतीय नौसेना आयुध सेवा। भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप 'क' सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल विद्युत) डाक व तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा सहायक प्रबंधक (कारखाना) ग्रुप 'क' डाक तार दूर संचार कारखाना संगठन
विज्ञान तथा तकनीकी विभाग तकनीकी विकास महानिदेशालय भारतीय भूविभाग सर्वेक्षण	भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क'। सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) ग्रुप 'क' यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क', वर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'

टिप्पणी :—प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जायेगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जायेगी :—

(1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(2) यदि उम्मीदवार कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन

22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवृज्जन कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले प्रवृज्जन कर चुका हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(4) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फांजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निरुद्ध हुए रक्षा सेवा के कर्मियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(5) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फांजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निरुद्ध हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कर्मियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों, (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्य काल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त 1993 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(7) भूतपूर्व सैनिक (कमीशनप्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों सहित) जो अ. जा. या अ. ज. जा. के हैं तथा जिन्होंने 1 अगस्त 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त 1993 में एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है, या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक;

(8) आपातकालीन कमीशनप्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1993 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और तिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल राजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष;

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्प-कालीन सेवा कमीशनप्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1993 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

टिप्पणी 1 :—'भूतपूर्व सैनिक' शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित 'भूतपूर्व सैनिक' सिविल सेवा तथा पदों में पुनरोजगार नियम, 1979, में परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2 :—एसे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट लेने के पश्चात सिविल साइड में कोई सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे नियम 5(ग) (2) से (9) के अधीन आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

**विशेष ध्यान**—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (ख) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीद-वारी उस स्थिति में रद्द कर दी जायेगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग-पत्र दे देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता बशर्त कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अग्रहित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी।

## 6. उम्मीदवार—

(क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्णमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए, अथवा

(ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा

(ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो; अथवा

(घ) इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर संचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा

(ङ) भारतीय वैमानिकी सोसायटी का एंसीसिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग 2 और 3/खण्ड क और ख उत्तीर्ण हो; या

(च) यांत्रिक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की एंसीसिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो; या

(छ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलेक्ट्रॉनिक्स और रॉडियो संचार इंजीनियरी की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

किन्तु बाइरलेस आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी ग्रुप क, भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय नासना आयुध सेवा (इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी पद) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे :—

बाइरलेस संचार इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया भौतिकी या इंडिया इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम. एस. सी. डिग्री या समकक्ष।

टिप्पणी 1 :—यदि कोई उम्मीदवार एंसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिस उत्तीर्ण करने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 15 दिसम्बर, 1993 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्त कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शर्तों का भूगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थाई या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों या वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकास्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों, उन सबको इस आक्षेप का परिवचन (अण्डरटैकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. आयोग न जिस उम्मीदवार को दोषी पाया अथवा घोषित किया हो :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्यसाधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हैं जो अश्लील भाषा में या अभद्र आक्षेप की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुरुव्यवहार किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
- (11) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, तथा/अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—
  - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
  - (2) केंद्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहें, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवेक्षा पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु बुलाए न जा सकते हों तो आयोग उनकी स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से लिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार नामों की सूची बताएगा और उस परीक्षा का परिणाम निकालने पर जितनी अनारक्षित खासी जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुसंधान की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकती है कि वे उम्मीदवार सेवा पर नियुक्त के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु अनुसूचित तथा अनुसूचित जनजाति के जो उम्मीदवार अन्य सम्प्रदायों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उप-नियम में वर्णित किसी छूट का लाभ उठाए बिना चुने जाते हैं उनका समायोजन अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों में नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का पराक्षाफल का सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे पराक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों का अन्य व्यवस्थाओं का ध्यान में रखा जाएगा पराक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा आवदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरायता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों का श्रेयताक्रम के अनुसार पहले उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्ति करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा एस उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही, उन्हें उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्ति करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त का दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवारों का मार्गसक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारियों के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों परीक्षा या सरकार या नियुक्ति प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित की जाए, यथार्थिती के बाद किसी उम्मीदवार की बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेंगे उनकी डाक्टरों जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस का की जाएगी (शनिवार और रविवार तथा छुट्टियों वाले दिन डाक्टरों जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बसंत लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरमा लगाते हैं तो उन्हें हाल ही की चरमों के नम्बर के साथ मीडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरों जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरों जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं, जिन सेवाओं/पदों के लिए सं. लो. सं. आ. का वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन मापदण्डों का ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनको 30 रुपये (तीस रुपये) का नकद राशि मीडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;

- (2) डाक्टरों जांच के सम्बन्ध में गा. भई. यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और

- (3) उम्मीदवार को डाक्टरों जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उन्हें रेल मंत्रालय (रेल विभाग), द्वारा डाक्टरों जांच से सम्बन्धित अलग से कोई सूचना नहीं भजी जाएगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों का सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपना डाक्टरों परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरों परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप की विवरण और मानक परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निरुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों को प्रत्येक सेवा की अपक्षाओं के अनुसार स्तर में से छूट दी जा सकती है।

### 18. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले दयावत्तक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों का सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

मसीहुज्जमान, सचिव, रेलवे बोर्ड

### परिशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग-1—लिखित परीक्षा का भाग में होगा। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्नपत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरा पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्नपत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग-2—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

**श्रेणी-1—सिविल इंजीनियरी**  
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	12	2 घंटे	200
<b>खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	14	3 घंटे	200
<b>योग</b>			<b>1000</b>

**श्रेणी-2—यांत्रिक इंजीनियरी**  
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II			
<b>खण्ड 2—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	3 घंटे	200
<b>योग</b>			<b>1000</b>

**श्रेणी-3—वैद्युत इंजीनियरी**  
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	41	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200
<b>खण्ड-2—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	43	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	44	3 घंटे	200
<b>योग</b>			<b>1000</b>

**श्रेणी-4—इलेक्ट्रॉनिकी और दूर-संचार इंजीनियरी**  
(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
<b>खण्ड 1—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र</b>			
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क : सामान्य अंग्रेजी) (भाग ख : सामान्य अध्ययन)	01	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	61	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	62	2 घंटे	200
<b>खण्ड-2—परम्परागत प्रश्न-पत्र</b>			
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र-I	63	3 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र -II	64	3 घंटे	200
<b>योग</b>			<b>1000</b>

3. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जीस्वता प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जायें। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित प्रश्न-पत्रों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत का अंक काट लिए जायेंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को ध्यान दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में क्रमबद्ध प्रभाव पूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तोल और माप की मीटररी प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट :—उम्मीदवारों को जब भी जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में संदर्भ हेतु भारतीय मानक संस्थान द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटररी इकाईयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबंध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पोकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरी का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

### परिशिष्ट 1 की अनुसूची

#### स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि इंजीनियरी विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

#### सामान्य योग्यता परीक्षण (कोड संख्या 01)

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी :—अंग्रेजी की प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग को जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन :—सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में सामायिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

#### सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

#### प्रश्न-पत्र 1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 11 और परम्परागत प्रश्नपत्र के लिए कोड सं. 13

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, इमारती लकड़ी, ईंट, सिमेंट, लेप, कंक्रीट, रचित, इत्यादि।

#### 2. धन यांत्रिकी

प्रतिबल, विकृति, धन, द्रव्य का विकलन सिद्धान्त, साधारण बंकन और विमोटन के सिद्धान्त, अपरूपण केन्द्र।

#### 3. आलेखी स्थैतिकी

बल बहुभुज प्रतिबल आरेख।

#### 4. संरचनात्मक विश्लेषण

ट्रसेज और फ्रेम का विश्लेषण, प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय।

#### 5. धातु संरचना का अभिकल्पन

कार्यकारी प्रतिबल और साधारण रचना के चरम मापदंड अभिकल्पना।

#### 6. कंक्रीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन

चिनाई दीवार का अभिकलन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रवर्तित और प्रतिबर्तित कंक्रीट प्रवर्तित और प्रतिकूलित कंक्रीट का चरम मापदंड अभिकल्पन।

#### प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 12 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 14

#### 1. तरल यांत्रिकी जल स्रोत : इंजीनियरी

विवृत चैनल और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना।

2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धान्त, प्रबलता प्राचल भूमि दाब के सिद्धान्त उथले और गहरे आधारों के अभिकल्पना।

3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सड़क अतिउन्नयन नियमन प्रवणता, क्यूटिंग, यातायात नियंत्रण, अभिकल्पन विचारण।

#### 4. पर्यावरण इंजीनियरी

जल स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान।

#### 5. निर्माण नियोजन और प्रबंध

निर्माण पद्धति के तत्व, ब्रार चार्ट, सी. पी. एम., पी. ई. आर. टी.।

#### यांत्रिकी इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

#### प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 21 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 23

#### 1. उष्मागतिकी

नियम, आदर्श गैसों और वाष्प के गुणधर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन और दहन।

#### 2. आई. सी. इंजन

सी. आई. और एस. आई. इंजन, अधिस्फोटन ईंधन अतःक्षेपण और कार्बुरेशन निष्पादन और परीक्षण टर्बो जेंट और प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन, नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. वाष्प बायलर, ईंधन वाष्प टरबाइन, प्रारूप नोजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया टरबाइन के वेग आरेख दक्षता और नियंत्रण।

4. संपीडित गैस गतिकी और गैस टरबाइन, प्रत्यागामी केन्द्रभिमुख और पक्षीय प्रवाह के संपीडित वेग आरेख, दक्षता और निष्पादन। प्रवाह पर यांत्रिकी अंकों का प्रभाव, आइसेन ट्रापिक प्रवाह नोजल से सामान्य प्रवाह और प्रवाह बहुचरणीय संपीडन सहिर्म टरबाइन चक्र, पुरस्तापन, पुनरुत्पादन।

5. उष्मा अंतरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन, संवहन और विकरण उष्मा विनिमयक प्रारूप। सम्मिलित उष्मा अंतरण। सम्पूर्ण उष्मा अंतरण गुणांक प्रशीतन और उष्मा पम्प चक्र प्रशीतन प्रणाली। निष्पान के गुणांक—साइक्रोमीट्रिक्स और साइक्रोमीट्रिक चार्ट कम्पट मूचक, प्रशीतन और निराद्रीकरण विधि। औद्योगिकी वातानुकूलन प्रक्रिया। शीतलन और तापन भार गणना।



6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल स्थैतिकी शुद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धान्त और प्रयोग; दावांतर-मापीय और उत्प्लावन। आदर्श तरलों का प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। परिसीमा स्तर सिद्धान्त/निभजित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और खुली नालियों में प्रवाह, विमीय विश्लेषण तथा साहस्य तकनीक।

अविमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण; ऊर्जा हस्तांतरण संबंध। पम्पों और आवेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन। दबंगति विद्युत संचरण।

#### प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए कोड सं. 22 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 24

#### 7. मशानों का सिद्धान्त

(1) गतिमान पिंड (2) मशानों के वेग और त्वरण क्लाइन निर्माण, मशीनों में जड़त्व बल, कैम्प, गियर और गियरन गतिपालक चक्र और नियामक, पिंडों का पूर्ण एवं प्रत्यागामी संतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की क्रान्तिक गति और भूमरी।

#### 8. मशीन अभिकल्पन

पेंच बन्धन और पावर स्कू का जोड़—कूज्यां कोटरास, युग्मन—वेल्ड संधि पारगमन पद्धति—पट्टा और चैन चालित-तार रज्जू—शैफ्ट का अभिकल्पन।

गियर-सर्पी और रोलिंग बेयरिंग।

#### 9. पदार्थों की सबलता

द्विविभागीय प्रतिबल और विकृति मोहर चक्र प्रत्यास्थरांकों के बीच संबंध।

किरणपुंज—बंकन आधूर्ण अपरूपक बल और विक्षेप शैफ्ट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मरोड़ी प्रतिबल स्थल—बाल्ड सिलिण्डर और नाब के अंतर्गत गोलक स्प्रिंग, आलम्बन स्तम्भ और कालम विकलन का सिद्धान्त।

#### 10. इंजीनियरी पदार्थ

मिश्र धातु और धातु मिश्रण तत्व ताप अभिक्रिया; संयोजन, गुणधर्म और प्रयोग, प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ।

#### 11. उत्पादन इंजीनियरी

धातु मशीनीकरण—कर्तन औजार, औजार धातु घिसाई और यंत्रिकीकरणयता कर्तन शक्ति का माप प्रक्रियाएं—मशीनीकरण—प्रेषण, बेधन, गीजर निर्माण धातु रूपांकन, धातु संचकन और सम्मिलन बेसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संस्थात्मक नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और अनुलग्नी (तत्वों का अवस्थापन)।

#### 12. औद्योगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन संयंत्र विन्यास के सिद्धान्त—उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण,

पदार्थ व्यवस्था सक्रिय विज्ञान। रॉबिक प्रोग्रामन पंक्ति सिद्धान्त इंजीनियरी जाल विश्लेषण। सी. पी. एम. एवं पी. ई. आर. टी. संगणकों का उपयोग।

#### वैद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

#### प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 41 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 43

#### 1. वैद्युत परिपथ

जाल प्रमेय, ज्यावकीय जाल के सोपान, रैम्प, आवेग और ज्यावकीय निवेश की अनुप्रिया, आवृत्ति क्षेत्र का विश्लेषण, द्विपद्धर जाल संश्लेषण का तत्व संकेत प्रवाह ग्राफ।

#### 2. ई. एम. सिद्धान्त

वैद्युत स्थैतिक, सदिश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक, चुम्बकीय पदार्थों और चालक के अंतर्गत पराविद्युत के क्षेत्र। समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सबल का समीकरण, चालन पराविद्युत मिडिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुणधर्म।

#### 3. पदार्थ विज्ञान। (वैद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धान्त स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, दाव विद्युत। धातु की चालकता अति चालकता पदार्थों का चुम्बकीय गुण धर्म। फेरो और फेरी—चुम्बकत्व अर्धचालकों में चालकता हाल प्रभाव।

#### 4. वैद्युत मापन

मापन के सिद्धान्त, परिपथ पैरामीटर का सेतु, मापन, माप यंत्र। बी. टी. बी. एम. तथा सी. आर. बी. क्यू.—मीटर, स्पेक्ट्रम विश्लेषक। ट्रांसफॉर्मर्स तथा गैर-विद्युत मालाओं का मापन, अंकीय मापन दूरमापन तथ्य अभिलेखन तथा प्रदर्श।

#### प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 44

#### 5. अभिकल्पन के तत्व

अंकीय प्रणाली, एटगोटिम विधियां, प्रवाह-संचित्रण भण्डारण, प्ररूप विवरण, सरणी भण्डारण अंक गणित निष्पीडन, तार्किक निष्पीडन निर्दिष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनुप्रयोग।

#### 8. इलेक्ट्रानिक तथा संचार

वैद्युत यांत्रिक: विद्युत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपान्तरण के सिद्धान्त। डी. सी. तूत्यकालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण। भिन्नात्मक अश्व-शक्ति मोटर। नियंत्रण प्रणालियों में मशानों ट्रांसफार्मर्स। चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालकों के लिए मोटरों का चयन। विद्युत प्रणाली—उत्पादन: तापीय, जलीय तथा नाभिकीय, विद्युत संचरण, कोरोना, फूल चालक, विद्युत प्रणाली रक्षण। आर्थिक परिचालन, लोड आवृत्ति—नियंत्रण, स्थायित्व विश्लेषण।

### 7. नियंत्रण प्रणालियाँ

अधिवृत्त-पाश तथा संवृत पाश प्रणालियाँ, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियाँ। स्थिति-परिवर्तों उप-गमन।

### 8. इलैक्ट्रानिक तथा संचार

इलैक्ट्रानिकी-धनावस्था युक्तियाँ तथा परिपथ। लघु सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्भरण प्रवर्धक दोलिम तथा सांक्रियामक प्रवर्धक एफ. ई. टी. परिपथ तथा रॉसिक आई. सी.। म्बिचन परिपथ यूवीय बीजगणित, तर्क परिपथ, सांयोजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ।

संचार सिगनल विश्लेषण सिगनलों का प्रेषण। मासुलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का संसूचन। संचार प्रणालियों का निष्पादन।

### इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए प्रश्न-पत्र-1

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 61

और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63 पदार्थ

#### 1. सामग्री, घटक तथा युक्तियाँ

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुण-धर्म निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार का गुणधर्म—धनावस्था युक्तियाँ—भौतिक लक्षण तथा समूह।

#### 2. जाल सिद्धान्त

जाल प्रमेय: विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया। परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण।

#### 3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धान्त

क्षेत्रगत सिद्धान्त। संचरण लाइन सिद्धान्त। एंटीना सिद्धान्त परिवर्ध तथा अपरिवर्ध सीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन।

#### 4. मापन तथा शास्त्रीकरण

विद्युत मात्राओं का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्यप्रणाली का सिद्धान्त। ट्रांसड्यूसर्स विद्युत मात्राओं का माप।

### प्रश्न-पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 62 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 64

#### 1. रॉसिक तथा अरॉसिक अनुरूप परिपथ

मूल रॉसिक इलैक्ट्रानिक परिपथ। स्पंद—रूपण परिपथ। तरंग आकार जनित। स्थायी-धारक।

#### 2. अंकीय परिपथ

तर्क परिपथ तथा गेट। संयोजन परिपथ। सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ।

### 3. नियंत्रण प्रणालियाँ

पुनर्भरण सिद्धान्त। नियंत्रण प्रणाली घटक नियंत्रण प्रणालियों की अनुक्रिया। व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

### 4. संचार प्रणालियाँ

मूल सूचना सिद्धान्त। माडलन तथा संसूचन प्रक्रियाएँ। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियाँ। रीडियो तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रेडार संचार सहाय, अनुगामी संचार सिद्धान्त।

### 5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी

सूक्ष्म-तरंग स्रोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृतियाँ। सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियाँ।

### परिसिष्ट—2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग-निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है। तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इसमें सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भरी प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. प्रत्येक उम्मीदवार की उनके व्यक्तित्व परीक्षा के दूसरे दिन या इस तथ्य को ध्यान में न रखने हुए कि उन्होंने पहले ऐसी डाक्टर की जांच करवाई थी और पहली जांच के आधार पर उन्हें स्वस्थ अथवा अस्वस्थ पाया गया, रेलवे मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा यथा निर्णीत तारीख और स्थान की सेंट्रल हास्पिटल भर्सेत लेने, नई दिल्ली पर डाक्टर की जांच करवाई जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार नियत तारीख को डाक्टर की जांच के लिए रिपोर्ट करने में असफल रहता है तो उसकी नियुक्ति के लिए विचार नहीं किया जाएगा और उसकी उम्मीदवारी रद्द समझी जाएगी।

3. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की अंग, कद और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मैडिकल बोर्ड के उत्तर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के जॉइंट्स सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा (पूरा फुला-कर)	फैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल विद्युत) यांत्रिक और सिग्नल और के० लो० नि० वि० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152 से०मी०	84 से०मी०	5 से०मी०
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150 से०मी०	79 से०मी०	5 से०मी०

अनुसूचित जनजातियों और तथा उन जातियों जैसे गोरखा, मड़वाली, असमिया, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है; के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) रेल इंजीनियरी सेवाओं ग्रुप 'क' भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क' के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 सें. मी. के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और मापदण्ड (स्टैन्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के पांवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगें होंगे। उसकी ठाड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टिकल आफ दी हूड लेवल) हारिजेन्टल बार (आड़ी छड़) के नीचे आए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार के छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैण्ड) के निम्न कोणों (इम्फोरियर एंगल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेन्टल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को बड़-बड़ बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटी-

मीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89 86-93.5 आदि। माप की रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार को कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रंग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्टिग्यूअस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि-तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक जांच का अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी किन्तु प्रत्येक मामले में मॉडिकल बोर्ड या अन्य मॉडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवाएं	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
1	2	3	4	5

क. तकनीकी

- रेल इंजीनियरी सेवाएं (सिविल, विद्युत, यांत्रिकी और सिग्नल)
- केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप के केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

6/6, 6/12 ज० I ज० II

केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) डाक एवं तार भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा

अथवा

6'9 6'9

1	2	3	4	5
आई० डब्ल्यू० पी० एण्ड सी० स्कन्ध अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर का पद भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा, भारतीय नौसेना आयुध सेवा में भारतीय आयुधशाला सेवा ग्रुप 'क', सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय।				
3 सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' सहायक प्रबंधक (कारखाना) ग्रुप 'क' डाकतार दूरसंचार कारखाना संगठन	6/6	6/18	जे० I	जे० II
ख. गैर तकनीकी				
4. भारतीय रेल बंदारगुहा सेवा तथा भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण में यांत्रिकी इंजीनियरी (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' बर्मा इंजीनियरी (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'	6/9	6/12	जे० I	जे० II

## टिप्पणी (1)

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में मायोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम-4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) का कुल परिणाम +4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। किन्तु शर्त यह है कि "तकनीकी" रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन क्षेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धित अपेक्षायें पूरी कर दे।

मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार को रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की सम्भावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

## टिप्पणी (2)

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्णदर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण—अवगम उच्च-तर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैन्टर्न में द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हो :—

ग्रेड	वर्ग अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ग अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16
2. डाक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकेंड	5 सेकेंड

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल, वैद्युत, सिग्नल और यांत्रिक) और जल सुरक्षा से सम्बन्धित अन्य सेवाओं के लिए उच्च ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए :—

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण-दर्शन अपेक्षित है, नीचे दिए जा रहे हैं :—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्चतर ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा
- (2) सैन्य इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा
- (4) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (5) केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा
- (6) सहायक कारखाना प्रबंधक (कारखाना) (डाक तार) दूर संचार कारखाना संगठन
- (7) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'।

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्नतर ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (2) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा का ग्रेड
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) ग्रुप 'क' डाक व तार, भवन निर्माण (ग्रुप 'क') सेवा
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा का कनिष्ठ बतनमान
- (8) इंजीनियर ग्रुप 'क' बंसार आयोजन और सम्बन्ध स्क्व अनुश्रवण संगठन
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल वैद्युत) ग्रुप 'ब' आकाशवाणी का सिविल निर्माण स्क्व।

लाल, हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिच-किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इशियारा की प्लेटों तथा एडरिज की लैटर्न—दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रतौथी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौथी की जांच नमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौथी या अन्धरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मॉडकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्धरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उसमें विविध चीजों की पहचान करवा

कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए, किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—कन्द्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वण दर्शन और रतौंधी सम्बन्धी परीक्षण पास करना होगा। भारतीय सर्वेक्षण सेवा ग्रुप 'क' के लिए उम्मीदवार को 'त्रिविम संगलन' परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख का दशाए (अक्यलर कण्डीशन)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी का बढ़ती हुई अपवर्तन ब्रूटि (रिफ्रैक्टिव एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भौगापन—उपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भौगापन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भौगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उपसामान्य है तो इसका सहज प्रभाव वह होता है कि गहनता अवगम के लिए उनके पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कई सिविल पदों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशंसा कर सकता है। बशर्ते कि उसी सामान्य आंख—

(1) को चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जो बशर्ते कि किसी मीटरडियम में दूर दृष्टि सम्बन्धी दोष 4 डायोप्टर्स से अधिक न हो।

(2) का दृष्टि-क्षेत्र पूर्ण हो।

(3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संदर्भगत कार्य विशेष सम्बन्धित सभी कार्रवाई कर सकता है।

“तकनीकी” के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टेक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कण्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार को पक्ष में विशेष क्लरिफिकेशन किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

## 8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपनी विवेक्षा से काम लेगा। नार्मल मेकजीम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम जलाउ विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में आमतौर पर ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(2) 25 वर्ष की उम्र की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 + आयु का सामान्य विनियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान: सामान्य नियम के रूप में 140 एम.एम. सं. उम्र पर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम.एम. सं. उम्र पर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि बबराहट (एक्साइटमेंट), आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (आर्थीनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्स-रे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने पर या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

## ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारं वाल दाबमापी (मरकरी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या बबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। थोड़ी बंटा या लंटा हा बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी-बहुत हारिजेंटल स्थिति में रांगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कंधे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भूजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फाँलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को ना निकले।

कोहनी के मोड़ पर बांह धमनी (ब्रूकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम.एम.एच.जी. हवा भरी जाती है। और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारं का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाए तो यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है यदि दोबारा पड़ताल करती जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस “साइ-लेन्ट गैप” रीडिंग में गलती हो सकती है।

9. परीक्षक को उपस्थिति में किए गए सूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मॉडकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के सूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के छातक चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेंह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मॉडकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस इत के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मधुमेही (नान-डायबेटिक) नहीं है और बोर्ड इस केस को मॉडकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा। जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला मूँवधान हैं मॉडकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लैबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेंगे, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा। जिस पर मॉडकल बोर्ड की 'फिट' 'अनफिट' की अंतिम राय आधारित होगी दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी होगा, औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कुछ दिन तक अस्पताल पूर्ण देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई भी उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसकी अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रभव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरंभ प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ना है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसका परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या त्रिथिरॉप एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बड़ा गंभीर न हो यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूर संचार सेवा, रेल 'क' इंजीनियरी सेवा, 'ड' और केंद्रीय विद्युत इंजीनियरी की सेवाएं 'क' और सीमा सड़क इंजीनियरी सेवाएं 'न' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग-दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग-दर्शन आवश्यक दी जाती है :—

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा।	यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।	
(2) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।	

1	2	3
(3) सटूल अथवा माजिनल टाइप के टिम्पेनिक मैम्ब्रेन का छिद्र	(1) एक कान सामान्य दूसरे कान में टिम्पेनिक मैम्ब्रेन का छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर आयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा से स्थिति सुधरने पर दोनों कानों में माजिनल या अन्यछिद्रवाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से आयोग्य घोषित कर के उस पर नीचे दिए गए नियम (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।	
	(2) दोनों कानों से माजिनल या एटिक बेधन होने पर आयोग्य	
	(3) दोनों कानों में सटूल छिद्रण होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(4) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केबिटी से सब नार्मल श्रवण	(1) किसी एक कान में सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।	
	(2) दोनों ओर से मस्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी काम की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुवार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।	
(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला।	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।	
(6) तलाट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलजिक दशा।	(1) प्रत्यक्ष मामलों के परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।	
	(2) लक्षणों सहित नासा पेट्ट बिचल विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(7) टोंसिल और या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशाएं।	(1) टोंसिल और या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य।	
	(2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(8) कान नाक गंध (ई०एन०टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर मेलिंगनेट ट्यूमर	(1) हल्का ट्यूमर अस्थाई रूप से अयोग्य।	
	(2) मेलिंगनेट ट्यूमर अयोग्य	

1	2	3
(9) आटोसफिलैरोसिस	(1) आटोसा किकरीसिस आपरेशन के बाद या श्रवण यंत्र की सहायता से श्रवणता 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य।	
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।	(1) यदि काम-काज में बाधक न हों—योग्य। (2) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो—अयोग्य।	
(11) नेसलपोली	अस्थायी रूप से अयोग्य।	

(ख) वह बिना हकलाहट बोल लेता/लेती है।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगें हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती का फैलाव पर्याप्त है तथा उसका दिल व फेफड़े ठीक हैं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर नहीं है।

(छ) उसे हाईड्रोसिल, स्फीत शिरा या वाइबासीर तो नहीं है।

(ज) उसके अंग्रे, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उमकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं।

(झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष नहीं है।

(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निदान नहीं है जिससे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं।

(ण) कोई संनारी (कम्पनिकेवल) रोग नहीं है।

12. दिल और फेफड़ों की किसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जात नहीं सभी मामले में हमी रूप में छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मॉडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी करने के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थ्यता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि यह संदेह हो कि उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तो बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोचिकित्सक/मनोविज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में उल्लेख ही नोट किया जाए। मॉडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देने चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा इयटी के अपेक्षित दस्तावेज निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

13. उन उम्मीदवारों को जो मॉडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रीति से 50 रु. का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें अपीलीय मॉडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा। जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जमा कर लिया जाएगा। उम्मीदवार को अपनी अपील के साथ किसी रजिस्टर्ड डाक्टर का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करके विशेष तौर पर यह उल्लेख करना चाहिए कि उम्मीदवार को चिकित्सा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किए जाने की उसे जानकारी है। जब उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड के सामने उपस्थित हों तो उनके पास इस प्रमाण-पत्र की प्रति अवश्य होनी चाहिए। उम्मीदवार को पहले मॉडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपनी अपील वस्तुतः कर देने चाहिए। अन्यथा अपीलीय मॉडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मॉडिकल बोर्ड की व्यवस्था उम्मीदवार के खर्च पर ही की जाएगी। अपीलीय मॉडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के सम्बन्ध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलीय मॉडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही गंभीर की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

14. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और (हो), के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

#### मॉडिकल बोर्ड की रिपोर्टें

मॉडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है।

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाली स्टैंडर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल यदि कोई हो, के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथा स्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी रचना, संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (वाइली इन्फॉर्मटी) नहीं है जिसमें वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना वर्तमान से है और मॉडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर भी गमय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह नोट कर लिया जाए कि यह प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधा माना गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मॉडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाएगा।

ऐसे मैडिकल में जब कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताया जा सकता है किन्तु मैडिकल बोर्ड में जो खराबी बनाई है उसका विस्तृत शीर्षा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मैडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मैडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि वह खराबी दूर हो जाए तो संबंध प्राधिकारी एक दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने उग व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो द्वारा परीक्षा की अवधि साधारणतया अधिक छ महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब द्वारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप में दिया जाना चाहिए।

पुनः चिकित्सा परीक्षा को प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि चाहे ऐसा तो निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं।

#### (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मैडिकल परीक्षा में पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है :—

#### 1. अपना पूरा नाम लिखें

(साफ अक्षरों में)

#### 2. अपनी आयु और अन्य गणान लिखें।

2. (क) क्या आप ऐसी जाति से गोरखा, गढवाली, असमी, नागालैण्ड आदिवासी आदि में से किसी में सम्बन्धित हैं जिनका औसत कद स्पष्टतः दसगैरों में कम होता है? 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए।

उत्तर 'हां' में तो उग जाति का नाम बताइए।

- 3 (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बखार, शंथियों (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थक में खन आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मर्दान्ते के दौरे, रिज्युमेंटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

3. (ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दर्पणता जिसके कारण जग्या पर लेंटे रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो?

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई?

#### 5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यौरें दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आप कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके भाइयों की मृत्यु हो चुकी है तो उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण
---	--	--	---

1	2	3	4
---	---	---	---


यदि माता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहिनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	--	---	---

5	6	7	8
---	---	---	---


6. क्या हमसे पहले किसी मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बतलाइए किस सेवा किस सेवाओं में पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

9. मैडिकल बोर्ड कब और कहा था?

10. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो?

मैं घोषित करता हूँ कि जहां तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर . . . . .  
मेरे सामने हस्ताक्षर किए . . . . .  
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर . . . . .

नोट :—उपयुक्त कथन की यथावत् के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा।

जान बूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति से बैठने का जोखिम लेंगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्षिक नियुक्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउन्स) का आनुतोषिक (ग्रेज्यूटी) से सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।



(ख) उम्मीदवार की शारीरिक परीक्षा से सम्बद्ध/मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

(उम्मीदवार का नाम)

1. सामान्य विकास अच्छा साधारण  
कम  
पोषण : पतला औसत मोटा  
कद (जूते उतार कर) वजन

अत्युत्तम वजन कब था

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान

छाती का घेरा

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा कोई प्रत्यक्ष बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतौंधी

(3) वर्ण दर्शन संबंधी दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुएल एक्विटी)

(6) फंडस की जाँच

चश्मे की प्रबलता

दृष्टि की तीक्ष्णता

चश्मे के बिना चश्मों के साथ सहजी० चश्मे के बिना चश्मे के साथ सिवि० एस० पी० एस० सी० सीस

हृदय की गति	दा०ने बा०ने०
हृदय की गति	दा०ने० बा०ने०
हृदय परमेट्रोपिया	दा०ने० बा०ने०

4. कान निरीक्षण ..... सुनना  
दायाँ कान ..... बायाँ कान .....  
5. श्रवण ..... थायरॉइड ..... 6. दांतों की हालत .....

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरटरी सिस्टम):—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी असामान्यता का पता चलता है।

यदि हाँ, तो उसका पूरा ब्यौरा दें

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलटरी सिस्टम) :

(क) हृदय: कोई आंगिक विक्षत (आर्गेनिक लीजन) (बेग) (रेट)

खड़े होने पर

25 बार फुदकने के बाद

फुदकने के 2 मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर  
बायस्टालिक

सिस्टालिक

9. उदर (पेट) का घेरा  
(टेंडरनेस)  
हर्निया

स्पर्शसह्यता

(क) स्पर्शयुक्त

तिल्ली

ट्यूमर

(ख) रुक्ताश

भगन्दर

10. तांत्रिक (नर्वस सिस्टम): तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत।

11. चलन तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम): कोई असामान्यता

12. जनन मूत्र तंत्र (जैनेटो यूरीनरी सिस्टम): हाइड्रो-सील, वरिकासील आदि का कोई संकेत। मूत्र विश्लेषण।

(क) कैसा दिखाई पड़ता है?

(ख) विशिष्ट घनत्व (स्पैसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एल्ब्यूमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध ज़िम्मेदारी का वह उम्मीदवार है, ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट:—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय में गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध ड्यूटी से दक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत के लिए योग्य है?

नोट :—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित वर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए :—

(1) योग्य (फिट)

के कारण अयोग्य

(2)

(अनफिट)

अध्यक्ष

सदस्य

स्थान

तारीख

## परिीक्षक--3

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत, इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा ।

(क) परीक्षा:—इन सेवाओं के लिए किए गए भर्ती उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहना होगा। यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़ा तो तदनुसार परीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। परीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) प्रशिक्षण:—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों को सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए प्रशिक्षण लेना होगा। उन्हें इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाये:—

## (ग) नियुक्ति की समाप्ति

- (1) परीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खण्ड (2) के उपबन्धों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा में वर्तमानगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा-नियुक्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है।
- (2) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या उसके कार्य कुशल बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा भर्तन कर सकती है।
- (3) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। परीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(घ) स्थायीकरण:—परीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए सभी दृष्टियों में योग्य समझे जाने पर परीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा में कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा।

## (ङ) वेतनमान:—

- (1) कनिष्ठ वेतनमान:—रु. 2200-75-2800-500  
रु. -100-4000

## (2) वरिष्ठ वेतनमान:—

3000-100-3500-125-4500

- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड:—रु. 3700-125-4700-150-5000

- (4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड:—रु. 5900-200-6700

इसके अतिरिक्त रु. 5900 तथा 8000 के वेतन के बीच के सुपरटाइस वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन को प्रारम्भ करेगा तथा उस समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिए परीक्षा पर बिताई गई अवधि का गिन्ने को अनुमति होगी।

महंगाई तथा अन्य भत्ते सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोक या स्थगित किया जा सकता है।

(च) प्रशिक्षण व्यय लौटाना:—यदि किसी कारणवश जो सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण स्थान परीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परीक्षकों से एक बन्ध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय का वापस नहीं करना होगा।

(छ) छुट्टी:—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा:—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार करने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट:—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकट के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन:—उक्त सेवा के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा निर्धारित योग्य और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अन्तर्गत रेलवे भविष्य निधि (पैर-अंशगुणी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परिवहन पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व:—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 1 वर्ष की अवधि के लिए

किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को:—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

## 2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और

### केन्द्रीय वंचित तथा यांत्रिकी इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा सन्तोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने/कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परिवीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी/नियोजन/बरकरारी के उपयुक्त नहीं है, या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति बरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जा ठोक समझ वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) जैसी कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्त सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले उच्च ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति में पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्ति दर निम्न प्रकार है:—

पद	वेतनमान
(1) कनिष्ठ समय वेतनमान (सहायक कार्यपालक इंजीनियर)	₹ 2200—75—2800—₹ 40 ₹ 100—100—4000
(2) वरिष्ठ समय वेतनमान (कार्यपालक इंजीनियर)	₹ 3000—100—3500—125— 4500
(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अधीक्षक इंजीनियर)	₹ 3700—125—4700—150— 5000
क. सामान्य ग्रेड	₹ 4500—150—5700
ख. चयन ग्रेड	₹ 5900—200—6700
(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चीफ इंजीनियर)	
(5) सुपरटाइम स्केल अपर महानिदेशक महानिदेशक (डब्ल्यू०)	₹ 7300—7600 ₹ 8000 नियत (ये पद सभी तीन विषयों अर्थात् सिविल, इलेक्ट्रिकल और यांत्रिक तथा वास्तु इंजीनियरों के लिए समा हैं)

नोट:—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अथवा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ. आर. 22 (बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ड) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) और केन्द्रीय वंचित और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप (क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप—

### 1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार के) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे, महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

### 2. केन्द्रीय वंचित और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत घटकों के जिसमें विद्युत संस्थान इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावर हाउस, वातानुकूलन तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशालाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं। आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव में कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहदों पर पहुंच जाते हैं।

## 3. सना इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ सकती है। यदि सरकार को राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है या ऐसा आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवार को दो वर्षों की परीक्षा की अवधि के दौरान एम. ई. एस. प्रोसीजर सुपरिन्टेंडेंट्स बी. आर. एण्ड ई. एस./ग्रुप-1, एग्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राज्ञ (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि याद कोड़े है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(11) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फिल्ड लाइबिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उसमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा आयोजी।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

(क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर  
सहायक निर्माण सर्वेक्षण  
रु. 2200-75-2800-द. रं.-100-4000

(ख) कार्यकारी इंजीनियर  
निर्माण सर्वेक्षण  
रु. 3000-100-3500-125-4500

(ग) अधीक्षक इंजीनियर  
(साधारण ग्रेड)  
अधीक्षक निर्माण  
सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड)  
रु. 3700-125-4700-150-5000

(घ) अधीक्षक इंजीनियर  
(चयन ग्रेड)  
अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षण  
(चयन ग्रेड)  
रु. 4500-150-5700

(ङ) उप मुख्य इंजीनियर  
रु. 3700-125-4700-150-5000

(च) मुख्य इंजीनियर  
(स्तर-2)  
मुख्य निर्माण सर्वेक्षण  
(स्तर-2)  
रु. 5100-150-5700

(छ) मुख्य इंजीनियर  
(स्तर-1)  
मुख्य निर्माण सर्वेक्षक  
(स्तर-1)  
रु. 5900-200-6700

## 4. भारतीय आयुध कारखाना सेवा (ग्रुप क)

(क) चुने हुए उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुध कारखाना अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परीक्षा अवधि घटा या बढ़ा सकती है। परीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा यथावश्यक विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जायेगा। किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) (1) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेवा में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फिल्ड लाइबिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जायेगी।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान दिये हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान—रु. 2200-75-2800-द. रं.-100-4000/-

वरिष्ठ समय वेतनमान—रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (सामान्य ग्रेड)—रु. 3700-125-4700-150-5000/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (चयन ग्रेड)—रु. 4500-150-5700/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 5900-200-6700/-

वरिष्ठ जनरल मैनेजर—रु. 7300-100-7600/-

आतिरिक्त महानिदेशक, आयुध कारखाना/सदस्य, आयुध कारखाना बोर्ड—रु. 7300-200-7500-250-8000/-

महानिदेशक आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना, बोर्ड—रु. 8000/-

टिप्पणी:—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्राविधिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का. शा. स. 15(6)/64/डो. (एपाइन्टमेन्ट्स)/1051/डी. (सा. 4/1) दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परिवीक्षाधीन अधिकारियों को मसूरी/नागपुर में फाउण्डेशन कोर्स करना होगा।

(ङ) इस प्रकार भर्ती हुए परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्राप्त करने से पहले एक बन्धपत्र भरना होगा।

#### 6. भारतीय दूर संचार (ग्रुप क)

(क) दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्ति परिवीक्षा पर की जायेगी। सरकार का राय में पारवाक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण आदि असन्तोषजनक है या उसे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उस तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा अवधि पूरी हो जाने पर सरकार उस व्यक्ति नियुक्ति पर स्थाई बना सकती है या यदि सरकार का राय में उसका कार्य अथवा आचरण असन्तोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवामुक्त कर सकती है या जितना ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थाई किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा संबंधी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(घ) निम्नलिखित वेतनमान ग्राह्य है—

- (1) कनिष्ठ समय वेतनमान—2000-75-2800-द. रो. 100-4000 रु.
- (2) वरिष्ठ समय वेतनमान—3000-100-3500-125-4500 रु.
- (3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—3700-125-4700-150-5000 रु.
- (4) चयन ग्रेड—4500-150-5700 रु.
- (5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—5900-200-6700 रु.
- (6) सी. जी. एम. ग्रेड—7300-100-7600 रु.
- (7) सलाहकार ग्रेड—7300-200-7500-250-8000 रु.
- (8) अधिकारीगण दूर संचार आयोग के सदस्यों के पदों के लिए विचार किए जाने के लिए भी पात्र होंगे तथा यह भारत सरकार के सचिव के समक्ष होगा—8000 रु.

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना नियुक्ति से पहले प्राविधिक पद के अलावा किसी स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उनका वतन एफ. आर. 22 बी (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप-क के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु. 2350/- या इसमें अधिक है तो वह तब तक वतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर सके।

(ङ) भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के पदों से सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

#### सहायक डिवीजनल इंजीनियर

सहायक डिवीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब-डिवीजन, कैरियर, बी. एफ. टी., कोएक्सीअल माइक्रो-वेव, लांग डिस्टेंस इलेक्ट्रिक तथा वायरलेस के इन्चार्ज होंगे और सामान्यतः डिवीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। ये विभिन्न दूर संचार निर्माण के संस्थापन करने के लिए परि-योजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

#### डिवीजनल इंजीनियर

डिवीजनल इंजीनियर को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिवीजन में जिसमें लांग डिस्टेंस, कोएक्सीअल, माइक्रोवेव मॉन्टिंगेन डिवीजन तथा वायरलेस डिवीजन शामिल हैं, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपकरणों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिवीजन में रह करके कार्य करेंगे। जब डिवीजन अधिकारी इंजीनियरी/परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यूनिट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

**कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड**

दूर संचार सर्किल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजन के लिए दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार हूँ। ये माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट दूर संचार सर्किल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हूँ।

**वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड**

दूर संचार सर्किल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सर्किल दूर संचार अनुरक्षण क्षेत्र का प्रधान, जो कार्यभार में उसका पूरी तरह से प्रबन्ध व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार होगा महाप्रबन्धक, दूर-संचार आयोग, दूर संचार आयोग की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता हूँ। मुख्य महाप्रबन्धक दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र तथा महा-प्रबन्धक, दूर संचार इंजीनियरी केन्द्र के अनुसंधान संबंधी समग्र कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार हूँ।

**6. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा**

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार, आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा की उपर्युक्त या बढ़ी हुई अवधि, जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थाई नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण का ऐसा कोई कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष के आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित शर्तों पूरी करने के बाद उप-निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षक इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) मुख्य इंजीनियर (स्तर 2) मु. इ. (स्तर 1) में सहायक/अध्यक्ष, सी.

डब्ल्यू. सी. के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिए वर्तमान निम्न प्रकार हैं :—

**1. केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद**

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियरी—  
रु. 2200-75-2800-द. र. 100-4000।

2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर—रु. 3000-100-3500-125-4500।

3. अधीक्षक इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)—रु. 3700-125-4700-150-5000।

4. निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)—रु. 4500-150-5700।

5. मुख्य इंजीनियर—रु. 5900-200-6700।

6. सदस्य सी. डब्ल्यू. सी./अध्यक्ष, जी. एफ. सी. सी.—रु. 7300-100-7600।

7. अध्यक्ष, सी. डब्ल्यू. सी.—रु. 8000 (नियत)।

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों के संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

**सहायक निदेशक (सिविल और यांत्रिक)**

सिंचाई, नीचालन, विद्युत धरलू, जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषक तथा अभिकल्पना।

**सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)**

उनको आवंटित उपमण्डल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन राकड़ तथा भण्डारी का लेखाजोखा रखना होगा तथा परीक्षण रूप में उपमण्डल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप बीहियों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

**7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा****(1) संगठन का विवरण**

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3) (1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों में समन्वय करने के लिए एक सुदृढ़, पर्याप्त और एकरूप विद्युत नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत योजनाओं (उत्पत्ति संरक्षण वितरण और विशुद्ध आपूर्ति का उपयोग) की संभाव्यता तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएँ राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूपी होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिए मंच लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

रु. 2200-4000 के वेतनमान में सहायक निदेशक, (ग्रेड-1) सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में पंचम प्रति-शत रिक्तियों मंच लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर की गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक (ग्रेड-1)

सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहां आवश्यक हो वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो कि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि ऐसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परिवीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात में संतुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवासक्त कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जैसा वह उचित समझे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण देना होगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी परिभाषा उत्तीर्ण करनी होगी जो सरकार द्वारा परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाए।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई हो) मिला कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बंधित पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस अवधि व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

### (3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निदेशक (ग्रेड-1)/सहायक कार्यपालक इंजीनियर को ही पर नियुक्त अधिकारी समय-समय पर तथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप 'क') सेवा नियमावली, 1990 में निर्धारित शर्तों परी करने के बाद उनके ग्रेडों अर्थात् उप-निदेशक/कार्यपालक/इंजीनियर निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड) निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (नगर ग्रेड) या मुख्य इंजीनियर, विद्युत इंजीनियर के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशर्ते कि संबंधित ग्रेड में नियुक्तियां उपलब्ध हों।

### (4) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप 'क') के सेवा के पदों पर वेतनमान निम्नलिखित है :—

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर संचार से संबद्ध पद :—

क्रम सं०	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निदेशक (ग्रेड-1) सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 2200-75-2800- द० रु० 100-4000
2.	उप निदेशक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 3000-100- 3500-125-4000
3.	निदेशक अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	रु० 3700-125- 4700-150-5000
4.	निदेशक अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु० 4500-150- 5700
5.	मुख्य इंजीनियर सदस्य-सचिव	रु० 5900-200- 6700

### (5) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक (ग्रेड-1)/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर संबद्ध कर्तव्यों के और दायित्वों के और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार है :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से संबंध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर संबंध। उन्हें इनसे संबद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना, संचालन, अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं, परियोजनाओं अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनकी संरचना तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप-मंडल या उनको आवंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

### 8. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर कनिष्ठ (ग्रुप क पद) पदों पर स्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विवीक्षा पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हें क्रमशः रुपए 2200-75-2500-द. रू.-100-4000 के सम्य वेतनमान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर कनिष्ठ/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) मिला कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ) या यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों का अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है—

(क) बर्मा इंजीनियर (कनिष्ठ) के लिए	₹ 2200-75-2500-₹ 100-4000
(1) बरमा इंजीनियर (वरिष्ठ)	₹ 3000-100-3500-125-4500
(2) निदेशक (बरमा)	₹ 3700-125-4700-150-5000
(3) उप-महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	₹ 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	₹ 7300-100-7600
(ख) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'	₹ 2200-75-2500-₹ 100-4000
(1) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)	₹ 3000-100-3500-125-4500
(2) निदेशक (यांत्रिक-इंजीनियरी)	₹ 5700-125-4700-150-5000
(3) उप महानिदेशक (इंजीनियरी सेवा)	₹ 5900-200-6700
(4) वरिष्ठ उप महानिदेशक	₹ 7300-100-7600

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

नोट :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीकृत ह्रासयुक्त से किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर हैं, एफ. आर. 22-ख (1) के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

**भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप**

बरमा वाहनों और अन्य उपकरणों का अनुसरण तथा मरम्मत, विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए ड्राइवरों तथा वाहनों का आइटन पी ओ एल अंकों तथा अभिलेखों, लागू बुक, इति वस्तियों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण। डिज़ीलिंग और वैज्ञानिक अनुसंधानों का संविरचना तथा विनिर्माण।

**बरमा इंजीनियर (कनिष्ठ)**

कोर रिकवरी का इष्टतम प्रतिशत निश्चित करते हुए एक या अधिक डिज़ीलिंग रिगों से खनिज सम्बोधन के संबंध में छेदन कार्य करना। सरकारी भंडारों और उससे सीपे गए हम्प्रेस्ट को ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिए लगाई गई मशीनरी और वाहनों का समारक्षण। भंडारों तथा कराई लेखों का रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग को देखना।

**9. इंजीनियर ग्रुप-क वायरलेस योजना और समन्वय स्कन्ध/अनुसंधान संगठन, संचार मंत्रालय (दूर संचार विभाग)**

- (क) वेतनमान रुपए 2200-75-2800-₹ 100-4000।
- (ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियरों के पदधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस योजना और समन्वय। स्कन्धों इंजीनियर प्रभारों अनुसंधान संगठन (वेतनमान रुपए 3000-100-3500-125-4500 तथा सहायक वायरलेस सलाहकार के पद के लिए रुपए 200/- प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों पर 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हैं। सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभार के ग्रेड में उनकी पदोन्नति ग्रुप के पदों के लिए संगठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी। सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलेस सलाहकार/उप निदेशक (वेतनमान रुपए 3700-125-4700-150-5000) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप वायरलेस सलाहकार उप निदेशक के ग्रेड में रिक्तियाँ ग्रुप के पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु तथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्ति की उपलब्धता पर होगी।

- (ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।
- (घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—

- (1) डब्ल्यू. पी. सी. स्कन्ध/वायरलेस मानिटरिंग संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, निर्देशन तथा प्रशिक्षण।
- (2) सम्बद्ध रेडियो आवृत्ति वर्गक्रमों तथा विभिन्न प्रकार के उत्सर्जन को आवृत्त करने वाली रेडियो आवृत्ति मानीटरिंग में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकीकरण के विभिन्न वर्गों एंटीना तथा सहायक उपकरणों का प्रतिष्ठान, अंशशोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।



- (3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियों संचार सेवाओं के लिए विभिन्न प्रयोक्ता विभागों/संगठनों के वायरलैस प्रतिष्ठानों का अनुज्ञापन एवं निरीक्षण ।
- (4) रेडियों आवृत्ति वर्णक्रम तथा तूल्याकाली उपग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय से सम्बद्ध सभी पहलू जिसमें नियतन योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना-उपस्कर का प्रकार—अनुमोदन वृद्धत चुम्बकीय व्यवधान/संसंगति आदि का अध्ययन सम्मिलित हो ।
- (5) संबद्ध राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रवर्तन ।
- (6) प्रवीणता/रेडियो व्यवसायी प्रमाणपत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना ।
- (7) रेडियो आवृत्ति प्रबन्ध तथा मॉनीटरिंग से सम्बद्ध अनुसंधान तथा विकास कार्य करना ।
- (8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ दूर संचार से सम्बन्धित अन्य यथोचित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबन्ध करना ।

#### 10. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) (ग्रुप 'क')

(क) चुने हुए उम्मीदवारों सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे । परिवीक्षा अविधि पूरी होने पर यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा । सरकार दो वर्ष की परिवीक्षा अविधि को बढ़ा सकती है ।

परिवीक्षा अविधि या उसकी बढ़ाई गई अविधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परिवीक्षा की बढ़ाई गई अविधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकती है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे ।

अधिकारियों को स्थायीकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा ।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति का भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अविधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति का—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान दिये हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 2200-75-2800-र. रो. -100-4000/-

कार्यकारी इंजीनियर—

रु. 3000-100-3500-125-4500/-

अधीक्षक इंजीनियर—

रु. 3700-125-4700-150-5000/-

अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)—

रु. 4500-150-5700/-

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पुल) यांत्रिक—

रु. 5900-200-6700/-

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पुल)—

रु. 7300-100-7600/-

अतिरिक्त सचिव महानिदेशक (सड़क विकास)

रु. 7300-200-7500-250-8000/-

टिप्पणी :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पर है (एफ. आर. 22-ख 1) को उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा ।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पुल ग्रुप क के पद से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप ।

#### सिविल इंजीनियरी पद

सड़कों/पुलों के निर्माण के डिजाइनों की योजना बनाने और उनके आकलन तैयार करने में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों आदि की सहायता करना और राज्यों से ऐसे निर्माणों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करना ।

#### यांत्रिक इंजीनियरी पद

सड़कों/पुलों के निर्माण, उपस्करों के आयोजन, प्राप्ति, प्रचालन और अनुरक्षण में भूतल परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुख्यालयों में तथा क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना, इस प्रकार के उपस्करों का मरम्मत तथा रखरखाव के लिए आकलन तैयार करना और राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों और आकलनों की समीक्षा करना ।

#### 11. भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्ति पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा ।

(1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रण अधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनूदेशों के अनुसार घटा या बढ़ा सकता है ।

(2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अविधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समापन के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी का ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रेषित कर दिया जाएगा ।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समापन पर अधिकारी को स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा ।

(4) यदि परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसी पद पर वापस भेज सकती है जो वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है ।

(5) परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समापन की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथापेक्षित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कोर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे ।

(ख) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के निम्नलिखित श्रेणियों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियों—चाहे वे “आकाश-वाणी” में हों या “दूरदर्शन” में हों—निगंत्रण प्राधिकारी द्वारा की जाएगी ।

(ग) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्य शर्तों —

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है ।

(2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसे अधिकारी को —

(1) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख में 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा ।

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा ।

(घ) उक्त सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके संबंध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है ।

न्यूनतम वेतनमान निम्न प्रकार है :—

- (1) कनिष्ठ वेतनमान  
रु. 2200-75-2800-द. र. -100-4000/-
- (2) वरिष्ठ वेतनमान  
रु. 3000-100-3500-125-4500/-
- (3) जे. ए. जी.  
रु. 3700-125-4700-150-5000/-

(4) जे. ए. जी. (चयन ग्रेड)  
रु. 4500-150-5700/-

(5) एस. ए. जी.  
रु. 5900-200-6700/-

(6) इंजीनियर-इन-चीफ  
रु. 7300-100-7600/-

भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा ग्रुप ‘क’ के कनिष्ठ वेतनमान के पद के सम्बद्ध कार्य तथा उत्तरदायित्व के प्रकार: बाड-कास्ट, टी.वी. स्टूडियो और ट्रांसमीटरों का अभिकल्पन, संस्थापन, प्रचालन और अनुरक्षण सहायक इंजीनियरों के कार्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायित्व ।

## 12. भारतीय नौसेना आयुध सेवा

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवेका पर बढ़ाई जा सकती है । सक्षम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवामुक्त किया जा सकेगा ।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है । किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा ।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन होंगे । वे समय-समय पर संशोधित फोर्ब्स सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे ।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा ।

(ङ) वेतनमान तथा उत्तीर्ण—ग्रुप-क—राजपत्रित

- |  |                                     |
|--|-------------------------------------|
| (i) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ग्रेड -II            | रु. 2200-75-2800-<br>द.र. -100-4000 |
| (ii) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी ग्रेड -I            | रु. 3000-100-3500-<br>125-4500      |
| (iii) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) | रु. 3700-125-4700-<br>150-5000      |
| (iv) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)     | रु. 4500-150-5700                   |
| (v) निदेशक आयुध आपूर्ति                          | रु. 5900-200-6700                   |

(च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—

**(1) उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड—**

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं चयन के आधार पर रु. 3000—4500/- के वेतनमान में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-1 के पद में पदोन्नति के पात्र हों परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है जो तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स आई. आई. टी., किरक्री या तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई हो।

**(2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)**

उप-आयुक्त पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की है उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन किए जाने के आधार पर रुपये 3700-5000/- के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हों।

**(3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)**

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा की है। उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रुपये 4500-5700/- के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) में पदोन्नति के पात्र हों।

**(4) आयुध पूर्ति निदेशक**

संबंध ग्रेड (ग्रेडों) में तीन वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु. 5900-6700/- के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हों।

अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु यथापूर्वोक्त अपेक्षाएँ न्यूनतम पात्रता की हैं और संबंध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आधिकारिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से अस्थायी पद धारण किए हुए थे एफ. आर. 22 ख (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी.एस.के. और तदनुसंगी अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप-आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 के पद से संबंध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

(1) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आशोधन तथा अनुरक्षण से संबंध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निदेशन।

(2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए, इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।

(3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टियाँ तैयार करना।

(4) आयुध के लिए यांत्रिकी इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युत आंतरिक पाटेंस का उपलब्ध कराना।

(5) आयुध (मिसाइल्स टारपेटांज माइन्स तथा गुन) मापने वाले यंत्र आदि व. यांत्रिकी इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युत मदों के उप-समूच्चय तथा समूच्चय का आवाधिक अवशकन पराक्षण/जाच।

(6) फ्लोट तथा नौसेना प्रांतिकानों को आयुध भंडारण संधा सयन्त्र सहायता प्रदान करना।

(7) आयुध के बार में यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युत इंजीनियरी से संबंध सभी मामला में सम्बद्ध सेवा के तकनीकी सलह देना।

**1.3. एक तार भवन निमाण (ग्रुप 'क') सेवा में सहायक कार्यकारी इंजीनियर**

(क) उम्माद्वारा का नियुक्तियाँ परिवीक्षा आधार पर की जाएंगी जिसका अवाध दो वर्ष होंगे। उन्हें यथानिर्धारित मानक लेना होगा। यदि सरकार का राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकुशल होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उस तत्काल सेवामुक्त कर सकती है। परिवीक्षा का अवाध पूरा होने पर सरकार उसको नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण सन्तोषजनक न रहा हो तो सरकार उस या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवाध को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परिवीक्षा अवाध के दौरान निर्धारित की जाए। उन्हें हिन्दा में एक पराक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारियों के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवाध के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवाध, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन दर निम्न प्रकार है :

ग्रुप "क" :

(1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल/विद्युत)  
रु. 2200-75-2800-द. रो.-100-4000/-

(2) कार्यपालक इंजीनियर का निर्माण सर्वेक्षक (सिविल/विद्युत)  
रु. 3000-100-3500-125-4500/-

- (3) अधीक्षक इंजीनियर/अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (सिविल/विद्युत)

रु. 3700-125-4700-150-5000/-

- (4) अधीक्षक इंजीनियर/निर्माण सर्वेक्षक अधीक्षक (सिविल/विद्युत) (चयन ग्रेड)

रु. 4500-150-5700/-

- (5) मुख्य इंजीनियर (सिविल/विद्युत) (विशेष प्रशासनिक ग्रेड)

रु. 5900-200-6700/-

- (6) वरिष्ठ उप महानिदेशक (भवन निर्माण)

रु. 7300-100-7600/-

- (घ) डाक-तार सिविल स्कन्ध में उन्नत पदा से जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध हों वे नीचे दिए गए हैं :—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक-तार सिविल स्कन्ध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक तार-विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकघर भवन, कान्स्टान, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाया जाता है। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते हुए विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

#### 15. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद :—

- (क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

- (ख) इस ग्रुप "क" राजपत्रित पद का वेतनमान रु. 2200-75-2800-द. रो.-100-4000/- है।

- (ग) तकनीकी विकास महानिदेशालय में ऐसे सहायक विकास अधिकारी 3000-100-3500-125-4500/- रु. के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र होंगे, जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा कर ली है। विकास अधिकारी के संवर्ग में 90 प्रतिशत पद पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। विकास अधिकारी रु. 4100-125-4850-150-5300/- के वेतनमान में अपर औद्योगिक सलाहकार के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं। अपर औद्योगिक सलाहकार रु. 4500-150-5700/- के वेतनमान में औद्योगिक सलाहकार के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। औद्योगिक सलाहकार रु. 5900-200-7300/- के वेतनमान में उप-महानिदेशक के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। उपमहानिदेशक सचिव (तकनीकी विकास) और महानिदेशक (तकनीकी विकास) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

- (घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के बाधातु यह नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पर किसी भी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा।

#### नियुक्त उस व्यक्ति को—

- (1) ऐसी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (2) चालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया या पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।
- (3) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उससे सम्बद्ध प्रभाग अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी, मशीन औजार, विद्युत इंजीनियरी आटोमोबाइल इलेक्ट्रानिक इंजीनियरी आदि उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

#### 15. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

- (1) चुना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन व्यक्ति को परीक्षा के अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा। परीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असन्तोषजनक रहा है, तो हटा सकता है कि सरकार या तो उसे कार्यमुक्त कर दे या उसकी परीक्षा अवधि तथा अपेक्षित समय के लिए बढ़ा दे।

- (2) चुने गए उम्मीदवारों का भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शान्ति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

- (3) उन्हें निम्नलिखित वेतनमान दिये हैं :—

- (क) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)  
2200-75-2800-द. रो.-100-4000 रुपए  
कार्यकारी इंजीनियर (सिविल)  
3000-100-3500-125-4500 रुपए  
अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)  
3700-125-4700-150-5000 रुपए  
अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) 4500-150-5700 रुपए (चयन ग्रेड)  
मुख्य इंजीनियर (सिविल) 5900-200-6700 रुपए  
अपर महानिदेशक सीमा सड़क 7300-100-7600 रुपए

- (ख) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (ई.एंड.एम.)  
2200-75-2800-द. रो.-100-4000 रुपए  
कार्यकारी इंजीनियर (ई.एंड.एम.)  
3000-100-3500-125-4500 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (ई. एण्ड एम.)

3700-125-4700-150-000 रुपए

अधीक्षक इंजीनियर (ई. एण्ड एम.) (अधीक्षक)

4500-150-5700 रुपए

मुख्य इंजीनियर (ई. एण्ड एम.)

5900-200-6700 रुपए (उचित समय में चुका किया जाना है।)

सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त होने वाले अधिकारी निर्धारित शर्तों का पालन करने वाले कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षक इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियर के अधिकारों के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के प्रतीक कर सकते हैं। अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति हेतु तथा पूर्वोक्त अपेक्षाएँ न्यूनतम आयु की शर्तों के अधीन संबंधित ग्रेड में पदोन्नति के लिए आवश्यकताओं के अधीनत्वता पर होंगी। अधिकार इंजीनियरों के उच्चतम समय मुख्य इंजीनियर का कार्य करने नहीं है।

(5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की दशागत्य अन्य सामान्य भत्तों जैसे मकान किराया भत्ता तथा मासिक प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के वास्ते परि-सज्जा भत्तों के भी हकदार हैं।

(6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में थल सेवा अधिनियम 1950 लागू होगा।

(7) सशस्त्र सेना अधिनियम के प्राग 12 के उपबंधों के सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पर लागू हो जाने के कारण महिलाएँ इस सेवा में नियुक्ति हेतु मुफ्त राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के वास्ते परि-पात्र नहीं होंगी।

16. डाक-तार, दूर-संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबन्धक, कारखाना

ग्रुप 'क' के पद

(1) वेतनमान रु. 2200-4000/- में सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

(2) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यावहारिक प्रशिक्षण जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा। व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी परीक्षण उत्तीर्ण करना होगा।

(3) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंधित प्रशिक्षण पर बितायी गयी अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा। और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(4) उच्चतर क्षेत्रों में पदोन्नति के अवसर :—

(क) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्षों की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबंधक रु. 3000-4500 के वेतनमान में वॉरेंट इंजीनियर (वॉरेंट समय वेतनमान) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ख) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्षों की सेवा कर चुकने वाले वॉरेंट इंजीनियर रु. 3700-5000 के वेतनमान में कॉन्स्ट प्रशासनिक ग्रेड में उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ग) अपने ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक, दूर संचार कारखाना में 4500-5700/- रु. के वेतनमान में उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक (चयन ग्रेड) के अकार्यात्मक (नॉन फक्शनल) चयन ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) कॉन्स्ट प्रशासनिक ग्रेड (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) में 8 वर्ष की नियमित सेवा वाले उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक अथवा ग्रुप 'क' के पद में, जिसमें कम से कम 4 वर्षों की सेवा कॉन्स्ट प्रशासनिक ग्रेड में होनी चाहिए, 17 वर्ष की नियमित सेवा वाले (इसमें अकार्यात्मक चयन ग्रेड की सेवा, यदि कोई हो, भी शामिल है) 5900-6700 रु. (वॉरेंट प्रशासनिक ग्रेड) के वेतनमान में महाप्रबंधक, दूर संचार कारखाना के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(5) उक्त पदों से सम्बद्ध कार्य और उत्तरदायित्व का स्वरूप

सहायक प्रबंधक :—दूर संचार भण्डार के उत्पादन क्षेत्र में दूर संचार विभाग के दूर संचार कारखानों का पर्यवेक्षण तथा प्रबंध और आद्योगिक और रि-आद्योगिक कर्मचारियों और स्टाफ की नियुक्तियों सहित सेवा मामलों पर कार्य करना।

वॉरेंट इंजीनियर :—उत्पादन, आयोग, विकास, अनुसंधान और यदि संभव हो शाखा के प्रधान और दूर संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसाय/संवर्गों में नियुक्त अनुशासनिक प्राधिकारों के रूप में कार्य करना।

उप-महाप्रबंधक/प्रबंधक :—सामान्य प्रशासन, उत्पादन, अनुशासन आयोग आदि से सम्बद्ध दैनिक कार्यों में महाप्रबंधक की सहायता करना, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कन्ध कार्यप्रभारी।

महाप्रबंधक :—दूर संचार कारखाना के प्रधान कारखाना में सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग अनुशासन आदि के समय नियन्त्रण हेतु उत्तरदायी।

17. भारतीय सर्वेक्षण ग्रुप 'क' सेवा

नियुक्तियों दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा आधार पर होंगी।

किन्तु शर्त यह है कि इस सम्बन्ध में नियन्त्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार बढ़ा सकता है।

अंग्रेजी शर्त यह है कि परीक्षा अपनी बढ़ाने हेतु कोई निम्न पाठ्यक्रम को पुरानी अवधि के समाप्त के बाद सामान्यतः आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अंदर लिखित रूप में सूचित कर दिया जाएगा।

परिचीता अवधि तथा उसकी किसी वृद्धि के समाप्त के पक्षों भी स्थात हैं, यदि सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी स्थाई नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो इससे निम्नलिखित रूप में रिपोर्ट किए जाए और सरकार को सूचित किया जायेगा कि कार्य-भार कर सकता है या उस पद पर कार्य कर सकता है, जिस (ह) उक्त सेवा में, जैसी भी स्थिति है, नियुक्ति। पहले प्राप्ति कर रहे हैं। परीक्षा या बढ़ा हुआ परीक्षा का अवधि के दौरान प्रम्पद्वारा का ऐसा अधिकारी कोर्स पार करना होगा और अनुदेशों का पालन करना होगा तथा परीक्षाएं और परीक्षा पास (इसमें हिन्दी की परीक्षा भी शामिल है) करने होंगे जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित किए जायेंगे।

2. नियुक्त किए गए अधिकारियों को भारत और विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

3. नियुक्त किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णयों के अनुसार भारत और विदेश में ऐसे प्रशिक्षण और अनुदेशों के विस्तृत पाठ्यक्रमों में जाना पड़ सकता है।

4. यदि आवश्यकता हुई तो प्रतिरोधिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिनाई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पक्षों पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा :—
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

5. यह वक्त भी निम्न प्रकार है :—

हार्डवेयर बेलनपत्र : 2200-75-2800-2. 4000 रु.।

हार्डवेयर बेलनपत्र : 3000-100-3500-25 4000 रु.।

प्रधान प्रशिक्षक : ग्रुप 3700 125-4700 1000 5000 रु.।

अध्यक्ष 4500-150 5700 रु.।

(कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रुप)

हार्डवेयर प्रशासनिक : ग्रुप 5900-200-6700 रु.।

भारत का महासर्विक 7300-100-7500 रु.।

6 पद से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप :

**उप अधीक्षक सर्वोच्चक :**—भूगोणित फांदाग्रामों, मानचित्र-कला और अंकीय मानचित्रण के क्षेत्रों में अनुभागों/कार्यों का पर्यवेक्षण करने के लिए सर्वोच्चक का कार्य अलग-अलग कार्यक्षेत्रों के रूप में करने के साथ-साथ अनुभाग अधिकारियों के रूप में भी करना। यूनिट के तकनीकी तथा प्रशासनिक दायित्वों में प्रभारी अधिकारी (अधीक्षक सर्वोच्चक) को भी उहायता करना।

**अधीक्षक सर्वोच्चक :**—पाठों के प्रबंध करना और अनुशासक रचना भण्डारों की अभिरक्षा करना, रखरखाव और परिशुद्धि जांचा जांचा रखना, अपने अधिकार में हुए बाला विधि का प्रकाशित से व्यय करना, अपने सभी अधिकारियों और सैनिक व्यक्तियों के अपने कार्या (इयूटियों) और कार्यों के लिए शक्तिम उपयुक्त सर्वोच्चक विधि में उचित प्रशिक्षण देना, समस्त युक्तियों/कार्यों का निष्पादन और पर्यवेक्षण करना, फील्ड प्रमाणन, फेयर मानचित्रण, फांदाग्रामों और अंकीय मानचित्रण आदि करना।

**उपनिदेशक :**—निदेशालय का सूचार्थ और फील्ड सर्वेक्षण करने में क्रियाशील निदेशक का सहायता करना, व्यावसायिक परीक्षणों, सफल को विभागीय पदोन्नति समितियों की बैठकों का आयोजन करने हेतु सभी तकनीकी, प्रशासनिक तथा वित्तीय प्रशिक्षण तथा विवरणों की समीक्षा करने उनका पूरा करना और उन पर निगरानी रखना आदि का दायित्व संभालना, बसुल बोर्डों की बैठकों की अध्यक्षता करना, निविदाओं तथा संविदाओं को अंतिम रूप देना और निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य सभी कार्यों को सम्पन्न करना।

**निदेशक/उपनिदेशक चयन ग्रुप :**—सभी दायित्वों को संभालना, ग्रुप 'ग' के सभी कर्मचारियों के नियुक्ति तथा अनुशासनिक प्राधिकारियों के रूप में कार्य करना, सर्वोच्चक तथा मानचित्रण कार्यों से संबंधित तकनीकी समन्वय करना, निदेशन करना, उनकी देख-रेख करना और उन पर निगरानी रखना जिसमें राज्य सरकारों, केंद्रीय परियोजना प्राधिकारियों आदि को सलाह देना भी शामिल है, वित्तीय प्रबंध करना, बजट कार्य करना, निदेशालय के समस्त व्यय पर निगरानी और नियंत्रण रखना।

**अपर यह सर्वोच्चक :**—अपने अधिकार क्षेत्र में अपने अधिकारियों के तकनीकी, प्रशासनिक, प्रशासनिक तथा वित्तीय कार्य को दक्षतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु अपने अधिकार क्षेत्र में अपने प्रभार के अधीन आने वाले सभी अधिकारियों के कार्य और फेयर मानचित्रण कार्यक्रमों तथा मूद्रण कार्य को अंतिम रूप देना, निर्धारित मानकों के अनुसार तकनीकी कार्य का प्रगति पर निगरानी रखना तथा प्रत्येक अवस्था पर परिशुद्धि के अर्थ में निम्न स्तर को सुनिश्चित करना, कार्य की सर्वोच्चक विधि को विकास करने/उसकी अपनाने का दायित्व संभालना अपने जोन में आने वाले सभी सर्वोच्चक मामलों पर राज्य सरकारों को परामर्श देना।

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

## RULES

New Delhi, the 6th March 1993

No. 92/E(GR)I/18/2.—The Rules for a combined competitive Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1993 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

## CATEGORY I—CIVIL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.
- (iv) Military Engineer Service (Building and Roads Cadre).
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of Works Cadre).
- (vi) Survey of India Service Group-A (Civil Engineering Posts).
- (vii) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts).
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil), in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (ix) Central Engineering Service (Roads) Group-A.
- (x) Assistant Executive Engineer (Civil) in Border Roads Engineering Service Group-A.

## CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (ix) Posts of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts);

- (x) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads (Engineering Service, Group-A).

- (xi) Drilling Engineer (Jr.) in G.S.I.

- (xii) Mechanical Engineer (Junior) Group A in G.S.I.

- (xiii) Assistant Manager (Factories) Department of Telecom (Telecom Factories Organisation).

- (xiv) Central Engineering Service (Roads) Group 'A' (Mechanical Engineering Posts).

## CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts);
- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (viii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);
- (ix) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical Cadre) (Electrical Engineering Posts);
- (x) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).

## CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

*Group A Services/Posts*

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communication (Department of Tele-Communications);
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service;
- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);
- (viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electronics and Telecommunication Engineering Posts);

(x) Survey of India Service Group 'A' (Electronics and Telecom. Engg. Posts).

(xi) Assistant Manager (Factories), Department of Telecom. (Telecom Factories Organisation).

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

N.B. (i)—Candidates are advised to indicate all the Services/Posts for which they are eligible in terms of the Rules in the order of preferences in their application form. In case a candidate does not give any preference for any Services/Posts or does not include certain Services/Posts in his application form it will be assumed that he has no specific preference for those Services/Posts, and in that event he shall be allocated to any of the remaining Services/Posts in the order as appearing in the notification and in which there are vacancies after allocation of candidates according to the Services/Posts of their preferences. In making such allocation the candidate shall be considered first for Group 'A' Services/Posts and then for Group 'B' Services/Posts.

N.B. (ii)—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (c.f. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 (THIRTY) DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (iii)—Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iv)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL,

HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS. THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N.B. (v)—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preference for other Services and Posts, if any, will be ignored.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1993 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1965 and not later than the 1st August, 1973.

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iii) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column 1 below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in column 2, for which they are otherwise eligible.



(i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

(ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1993.

Column I	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.S. C.E.S.—Group 'A'
Central Public Works Department	C.E. & M.E.S. Group 'A'
Engineer-in-Chief, Army Headquarters	M.E.S. Group A (B & R care and Surveyor of works Cadres) M.E.S. Group A (E. & M. Cadre).
Directorate General Ordnance Factories	I.O. F.S. Group A
Central Water Commission	C.W.E. Service (Group A).
Central Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service
Wireless Planning and Co-ordination Wing.	Engineer (Group A)
Monitoring Organisation	
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
All India Radio/Doordarshan	Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service.
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
Ministry of Communication Department of Tele- communication & Deptt of Posts	Indian Tele-communication Service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil/ Electrical) in P & T Build- ing works (Group 'A') Service, Assistant Manager (Factories) Group A, P. & T. Telecom Factories Organisation.
Deptt. of Science & Technology	Survey of India Service, Group A.
Directorate General of Technical Development	Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'
Geological Survey of India	Mechanical Engineers (Junior) Group 'A'. Drilling Engineer (Junior), Group 'A'.

NOTE.—The period of apprenticeship if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable:

(i) Upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) Upto a maximum of three years if a candidate is a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991.

(iii) Upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona-fide repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991.

(iv) Upto a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(v) Upto a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(vi) Upto a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August 1993 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August 1993) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

(vii) Up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers, and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1993 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st August, 1993 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

(viii) Up to a maximum of five years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment;

- (ix) Up to a maximum of ten years in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are also ECOs/SSCOs and have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

Note (i) The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

- (ii) Candidates falling under rule 5(c) (ii) to (ix) who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

**N.B.—**The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Services or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

#### 6. A candidate must have—

- (a) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the Universities Grants Commission Act, 1956; or
- (b) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (c) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign University/College/Institution and under such conditions as may be recognised by the

Government for the purpose from time to time; or

- (d) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Telecommunication Engineers (India); or
- (e) passed Associate Membership Examination Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- (f) Passed Associate Membership Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or
- (g) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November 1959

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service (Electronics Engg. Posts) may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely :—

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics or Radio Engineering as a special subject.

**NOTE 1.**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 15th December 1993.

**NOTE 2.**—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

**NOTE 3.**—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All Candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with. or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from examination for which he is a candidate; and/or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
    - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
    - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.
- Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—
- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
  - (ii) taking the representation if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the commission by a relaxed standard subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidate shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT SUBJECT TO MERIT POSITION AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless the Government is satisfied after such an inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

*The candidates should note that no requests for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.*

The attention of the candidates is invited to the regulation relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have completed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note.

- (i) A sum of Rs. 30 (Rupees Thirty only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;

(ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and

(iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled/ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

#### 18. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examination which candidates have to pass after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

MASIHUZZAMAN,  
Secretary,  
Railway Board.

#### APPENDIX 1

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Section will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details

of the written examination i.e. subject, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

Part II.—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

**Category I—CIVIL ENGINEERING**

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective papers</b>			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies)	01	2 hrs	200
Civil Engineering Paper I	11	2 hrs.	200
Civil Engineering Paper II	12	2 hrs.	200
<b>Section II—Conventional papers</b>			
Civil Engineering Paper I	13	3 hrs.	200
Civil Engineering Paper II	14	3 hrs	200
<b>TOTAL</b>			<b>1000</b>

**Category II—MECHANICAL ENGINEERING**

(cf. preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective papers</b>			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies)	01	2 hrs	200
Mechanical Engineering Paper I	21	2 hrs	200
Mechanical Engineering Paper II	22	2 hrs.	200
<b>Section II—Conventional papers</b>			
Mechanical Engineering Paper I	23	3 hrs	200
Mechanical Engineering Paper II	24	3 hrs	200
<b>TOTAL</b>			<b>1000</b>

**Category III—ELECTRICAL ENGINEERING**

(cf. preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective papers</b>			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies)	01	2 hours	200
Electrical Engineering Paper I	41	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II	42	2 hours	200
<b>Section II—Conventional papers</b>			
Electrical Engineering Paper I	43	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II	44	3 hours	200
<b>TOTAL</b>			<b>1000</b>

**Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING**

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
<b>Section I—Objective Papers :</b>			
General Ability Test (Part A: General English) (Part B: General Studies) Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	01	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	61	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	62	2 hours	200
<b>Section II—Conventional Papers:</b>			
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	64	3 hours	200
<b>TOTAL</b>			<b>1000</b>

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written papers will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test booklets). *They should not*, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

#### SCHEDULE TO APPENDIX I

##### *Standard and Syllabus*

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

#### GENERAL ABILITY TEST (Code No. 01)

**Part A : General English :** The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

**Part B : General Studies :** The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

#### CIVIL ENGINEERING

*(For both objective and conventional type papers)*

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.  
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics.  
Stresses, Strain, Failure Theories of Solid Materials. Simple bending and torsion theories, shear centre.
3. Graphic Statics.  
Force Polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis.  
Analysis of trusses and frames.  
Introduction to plastic Analysis.
5. Design of Metal Structures.  
Working stress and ultimate strength design of simple structures.
6. Design of concrete and Masonry Structures.  
Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics water Resources Engineering. Open channel and pipe flow. Hydrology Design of canals and hydraulic structures.
2. Soil Mechanic and Foundation Engineering and their general principals Strength Parameters. Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.
3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Surveying. Roads superelevation Ruling gradient, pavements, Traffic controls, Design considerations.
4. Environmental Engineering.  
Water purification, Sewerage treatment and disposal.
5. Construction, Planning and Management.  
Elements of construction practice, Bar charts, CPM, PERT.

#### MECHANICAL ENGINEERING

*(For both objective and conventional type papers)*

Paper I (Code No. 21 for objective type and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics  
Laws, Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and combustion.
2. I.C. Engines  
C.I. and S.I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo Jet and Turbo-prop Engines. Rocket Engines Elementary knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.
3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines  
Modern boilers, Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.
4. Compressors Gas, Dynamics and Gas Turbines, Reciprocating, Centrifugal and axial flow compressors. Velocity diagrams, Efficiency and performance, effect of mech. number on flow, isentropic flow, Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression, Reheating and Regeneration.
5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning  
Conduction, Convection and Radiation, Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient, Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance, Psychrometrics and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

## 6. Properties and classification of fluids.

Fluid statics, kinematics and dynamics; principals and Applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and tubulent flows. Boundary layer theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.

Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

## 7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) moving bodies (ii) in machines. Klien's construction Inertia forces in machines, Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and Governors Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibration of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

## 8. Machine Design

Design of : Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Kotters, Coupling—Welded Joints—Transmission system : Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gear-siding and Rolling bearings.

## 9. Strength of Materials.

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams : Bending moments, shearing forces and reflection.

Shafts : Combined bending direct and torsional stresses. Thick Walled cylinders and spheres under Pressure, Spring, Struts and columns. Theories of failure.

## 10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; Composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

## 11. Production Engineering

Metal Machinery: Cutting Tools; Tool Materials, wear and Machinability measurement of cutting forces.

Process: Machining-Grinding, Boring, Gear, Manufacturing, Metal forming, Metal casting and jointing, Basic Special Purpose, Programme and numerically Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

## 12. Industrial Engineering

Work study and work measurement. Wage incentive. Design of Production System and Product Cost Principles of Plant layout. Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming queuing Theory. Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT, Use of Computers.

## ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

## 1. Electrical Circuits

Network theorems Response of network to step, ramp, impluse and sinusoidal inputs. Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

## 2. EM Etheory

Electrostatics Magetorstatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, maxwel's equation. Planewave propagation in conducting & Dielectric media properties of Transmission lines.

## 3. Material Science: (Electric Materials)

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metails. Super conductivity. Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism Conduction in Semiconductors, Hall effect.

## 4. Electrical Measurements

Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser. Transducers and measurement of non-electrical quantities, digital measurement, telemetering data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

## 5. Elements of Computation

Digital system algorithms, flow-charting. Storage; Type statements, array storage Arithmetic expression logical expressions, Assignments statements. Programme structure Scientific and Engineering applications.

## 6. Power Apparatus &amp; Systems

Electromechanics: Principles of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synthronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers Magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System: power generation Thermal Hydro and Nuclear Power Transmission. Coroma Bundle conductors. Power Systems Protection. Economic operation. Load frequency control, stability analysis.

## 7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State variable approach.

## 8. Electronics &amp; Communications

Electronics: Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits. Combinational and sequential digital circuit *Communications*: Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION  
ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

## 1. Materials Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive components-types and properties. Active components-types and properties. Solid State Devices-Physics, Characteristics and models.

## 2. Network Theory

Network Theorems. Steady State and transient response of electric circuits Network analysis Elementary network synthesis.

## 3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory, Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

## 4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

## 1. Linear and Non-linear Analog Circuits.

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits. Wave form Generators, Stabilizers.

## 2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates. Computing Circuits Combinational and sequential circuits.

## 3. Control Systems

Feedback theory, Control system components, Response of Control Systems, Design of practical system.

## 4. Communication Systems

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and line communications. Television and Radar Navigational aids Satellite communication principles.

## 5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies. Microwave Communication Systems.

## APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL  
EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. Every candidate will be medically examined at Central Hospital Basant Lane, New Delhi on the next day of their personality test or on the date and place as decided by the Ministry of Railways (Railway Board) irrespective of the fact that he/she had appeared for such medical examination in the past and found fit or unfit on the basis of earlier examination. In case a candidate fails to report for medical examination on the stipulated date, he will not be considered for appointment and his candidature may be treated as closed.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, Weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.



(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows :—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes, etc. whose average height is distinctly lower.

(c) For the Indian Ordnance Factories Service Group A a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

4. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetres to halves.

5. The Candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 83—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of a kilogram should not be noted.

7. The candidates eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for Service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the conditions of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Service	Distant vision		Near Vision	
	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye
1	2	3	4	5

#### A. Technical

1. *Railway Engineering Service (Civil Electrical, Mechanical and Signal)*

2. *Central Engineering Service Group A, Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A, Central Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical) in P & T Building Works (Group 'A') Service, Post of Engineer, Group 'A' in*

1	2	3	4	5
W.P. & C. Wing/ Monitoring Organisa- tion, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service, Indian Naval Arma- ment Service, Indian Ordnance Factories Service Group A, Border Road En- gineering Service Group 'A' on Post of Assistant Develop- ment Officer (Engineer- ing) in the Directorate General of Technical Development.				
3. Military Engineer Ser- vices, Group 'A' Assis- tant Manager (Fac- tories) Group—'A', P & T Telecommunica- tion Factories Orga- nisation.	6/6 6/9	6/18 6/9	J/I	J/II
<b>B. Non-Technical</b>				
4. Indian Railway Stores Service and Mechan- ical Engineer (Junior) Group 'A' Drilling En- gineer (Jr.) Group A in G.S.I.	6/2	6/12	JI	JII

**NOTE 1**

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as 'Technical' (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfills the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

**NOTE (2)**

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher Grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Service/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

*Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception*

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Survey of India Group 'A' Service.
- (iv) Central Engineering Service (Roads).
- (v) Central Power Engineering Service.
- (vi) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T), Telecom, Factories Organisation.
- (vii) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.

*Technical Services or posts requiring lower grade colour Perception*

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical) in P&T Building Works (Group 'A') Service.
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Assistant Engineer (Civil/Electrical) Group 'B' Civil Construction Wing in A.I.R.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridges Green's lantern shall be used for testing colour vision.

**NOTE (3) Field of vision.**—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

**NOTE (4) Night Blindness.**—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has

been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo test for night blindness when considered necessary by the Medical Board. For Survey of India Group 'A' Service the candidate may be required to pass a 'stereoscopic fusion' test.

NOTE (6) *Ocular conditions, other than visual acuity—*

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint.*—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub normal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and J 1 near vision with or without glasses provided the errors in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision whether required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Post 'Services classified as "TECHNICAL".'

NOTE (7) *Contact Lenses* :—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

## 8. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal, maximum, systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15-25 years of age the average is about 100 plus age.

(ii) With subject over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

### *Method of taking Blood Pressure*

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 m.m. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stand when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the wellheard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

9. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3
(1)	Marked or total deafness in one ear other being normal.	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.
(2)	Preceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid	Fit for most of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in both frequencies of 500 and 1000 cycles of

1	2	3
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other Perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.	(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
		(iii) Central Perforation both ears—Temporarily unfit.
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both, technical and non-technical jobs.	(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.	(ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms—Temporarily Unfit.
(7) Chronic Inflammatory conditions and tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.	(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign Tumours—Temporarily Unfit.	(ii) Malignant Tumours—Unfit.

1	2	3
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.	
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If non-interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering severe degree— Unfit.	
(11) Nasal Poly....	Temporarily Unfit.	
(b) that his/her speech is without impediment;		
(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;		
(d) that the chest is well formed and his chest expansion is sufficient; and that his heart and lungs are sound;		
(e) that there is no evidence of any abdominal disease;		
(f) that he is not ruptured;		
(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles;		
(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;		
(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;		
(j) that there is no congenital malformation or defect;		
(k) that he does not bear traces of acute chronic disease pointing to an impaired constitution;		
(l) that he bears marks of efficient vaccination;		
(m) that he is free from communicable disease.		

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist/psychologist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

13. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such a manner as may be prescribed by the Government of India. Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. Alongwith appeal the candidates must submit a medical certificate by a registered doctor specifically mentioning that he is aware of the candidate having been declared unfit by a Medical Board. Candidates must have a copy of this certificate when they present themselves before the Medical Board. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee within the stipulated time.

14. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall lie against the same.

#### Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance of the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy.

Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affliction or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidates statement and declaration

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the declaration 'appended thereto'. This attention is specially directed to the warning contained in the Note below—

1. State your name in full (block letters)

.....  
.....  
.....

2. State your age and birth place .....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is, 'Yes', state the name of the race.

3.(a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis ?

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

.....  
.....  
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....  
.....  
.....

5. Furnish the following Particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....  
.....

7. If answer to the above is Yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for ?

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?

.....  
.....  
.....

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known .....

.....  
.....

I declared all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

Note—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)  
Physical examination.

1. General development .....  
Good ..... Fair ..... Poor ..... Nutrition :  
Thin ..... average ..... Obese ..... Height  
(without shoes) ..... weight ..... Best Weight  
.....

When ? .. Any recent change in weight .....  
temperature .....

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease .....

3. Eyes

(1) Any disease .....

(2) Night Blindness .....

(3) Defect in colour vision .....

(4) Field of vision .....

(5) Visual acuity .....

(6) Fundus Examination .....

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	SPh.	Cyl	Strength of glasses
					Axis
Distant vision			R.E. L.E.		
Near vision			R.E. L.E.		
Hypermetropia (Manifest)			R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection .....

Hearing Right Ear .....

Left Ear .....

5. Glands ..... Thyroid .....

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory System: Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.  
.....  
.....

If yes, explain fully .....

.....  
.....

8. Circulatory system:

(a) Heart: Any organic lesions

Rate ..... Standing .....

After hopping 25 times .....

Two minutes after hopping .....

(b) Blood Pressure: Systolic .....  
Diastolic .....

9. Abdomen: Girth ..... Tenderness .....  
Hernia .....

(a) Palpable Liver ..... Spleen .....

.....  
.....

Kidneys .....

.....

Tumours .....

(b) Haemorrhoids ..... Fistula .....

10. Nervous System: Indication of nervous or mental disabilities .....

11. Loco-Motor System: Any abnormality .....

12. Genito Urinary System: Any evidence of Hydrocele, varicocele etc. Urine analysis:

(a) Physical Appearance .....

(b) Sp. Gr. ....

(c) Albumen .....

(d) Sugar .....

(e) Casts .....

(f) Cells .....

13. Report of X-Ray Examination of Chest .....

14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

Note:—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

Is the candidate fit for Field Service?

NOTE:—The Board should record their findings under one of the following categories:—

(i) Fit .....

(ii) Unfit on account of .....

President .....

Member .....

Place .....

Date .....

## APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION.

1. INDIAN RAILWAY SERVICE OF ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF ELECTRICAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF SIGNAL ENGINEERS, INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS AND INDIAN RAILWAY STORES SERVICE.

(a) Probation—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post if the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) Training—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such place and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) Termination of appointment:—(i) The appointment of probationers can be terminated by three month' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however required in case of dismissal or removal as disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(i) If in the opinion of the Government the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(ii) Failure to pass the departmental examination may result termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.

(d) Confirmation:—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

## (e) Scales of pay:—

(i) Junior Scale—Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) Senior Scale—Rs. 5000-100-5300-125-4500.

(iii) Junior Administrative Grade II—Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) Senior Administrative Grade II—Rs. 5900-200-6700.

In addition there are supertime scale posts carrying pay between Rs. 5900/- and Rs. 8000/- to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent in probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) Refund of the cost training:—If for any reasons which in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from the training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond a copy of which will be enclosed alongwith their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) Leave:—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) Medical Attendance:—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) Passes and Privilege Ticket Orders:—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) Provident Fund and Pensions:—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/Posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) Liability to serve in Defence Service:—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of



India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

## 2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL AND MECHANICAL ENGINEERING SERVICE GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

(i) J.T.S. (A.E.E.) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) S.T.S. (E.E.) Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Junior Administrative Grade (S.E.).

(a) Ordinary Grade Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(b) Selection Grade Rs. 4500-150-5700.

(iv) Senior Administrative Grade (C.E.) Rs. 5900-200-6700.

(v) Super time Scale.

Additional D.G. Rs. 7300—7600—These Posts are common to D.G.(W) Rs. 8000, fixed all the three disciplines i.e. Civil, Electrical and Mechanical and Architectural.

Note—The pay of a Government servant who held a permanent posts other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) Central Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. **MILITARY ENGINEER SERVICE GROUP A**

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if, his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Supdts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any;

Provided that such a candidate—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under SRO, No. 92, dated 9th March 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) the following are the rates of pay:—

- a) Assistant Executive Engineer Assistant Surveyor of Works—2200-75-2800-FB-100-4000
- (b) Executive Engineer Surveyor of Works—3000-100-3500-125-4500
- (c) Superintending Engineer (Ordinary Grade) Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade).—3700-125-4700-150-5000
- (d) Superintending Engineer (Selection Grade) Superintending Surveyor of Works (Selection Grade) 4500-150-5700.

(e) Deputy Chief Engineer—3700-125-4700-150-5000.

(f) Chief Engineer (Level II) Chief Surveyor of Works (Level II)—5100-150-5700.

(g) Chief Engineer (Level I) Chief Surveyor of Works (Level I)—5900-200-6700.

4. **INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE GROUP A**

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 2 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidate shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the Scales of Pay admissible:—

- Jr. Time Scale . . . Rs. 2200-75-2800-FB-100-4000.
- Sr. Time Scale . . . Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- Jr. Admin. Grade (OG) . . . Rs. 3700-125-4700-150-5000
- Jr. Admin. Grade (S.G.) . . . Rs. 4500-150-5700.
- Sr. Admin. Grade . . . Rs. 5900-200-6700.

Sr. General Manager	Rs. 7300-100-76000.
Addl. DGO/Member, OFB	7300-200-7500-250-8000.
DGO/Chairman OFB	Rs. 8000

*Note :—The Pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts.) 1051/D (Civ-1) dated the 25th November, 1965 as amended from time to time.*

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Musoorie/Nagpur.

(e) A probatiner so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

#### 5. INDIAN TELECOMMUNICATIONS SERVICE GROUP A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient. Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officer will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will be also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of his competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the scales of pay admissible :—

- (i) Junior Time Scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
- (ii) Senior Time Scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- (iii) Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (iv) Selection Grade JAG : Rs. 4500-150-5700.
- (v) Senior Administrative Grade : Rs. 5900-200-6700.
- (vi) C. G. M. Grade : Rs. 7300-100-7600.
- (vii) Advisers Grade : Rs. 7300-200-7500-250-8000.

(viii) The Officers shall also be eligible for consideration: for the posts of Members of the Telecom. Commission which is equivalent to secretary to Govt. of India—Rs. 8000/-

*Note :—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).*

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 2350 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunications Service, Group A will not draw any increment till he passes the departmental examinations.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the post in the Indian Telecommunication Service (Group A).

#### Assistant Divisional Engineer.

Assistant Divisional Engineers will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division. Incharge of Carrier VFT Coaxial Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various telecommunication work.

#### Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance Coaxial, Microwave maintenance Division and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Project Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

*Junior Administrative Grade*

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephones Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication system etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone District, Telecommunication Circuits etc.

*Senior Administrative Grade*

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. General Managers Telecom Commission provides the top level assistance to the Telecom Commission in framing policy and in overall administration. Chief General Manager Telecom Engineering Centre and General Manager, Telecom Engineering Centre are responsible for overall research activities of the Telecommunication/Engineering Centre.

**6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE**

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years.

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person :

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward for promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)/Director/

Superintending Engineer (Selection Grade)/Chief Engineer/Member/Chairman, CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering post in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/ Assistant Executive Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB- 100-4000.
2. Deputy Director/ Executive Engineer	Rs. 3000-100-3500-125- 4500.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-150- 5000.
4. Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700.
6. Member, CWC/ Chairman GFCC	Rs. 7300-100-7600.
7. Chairman, CWC	Rs. 8000 (fixed)

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

*Assistant Director (Civil and Mechanical)*

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc., for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

*Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)*

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc.

**7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE***(i) Description of the Organisation*

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission Distribution and Utilisation of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform the overall context of National Economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy power providing its main motive force.

(ii) *Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.*

Fifty per cent of vacancies in the grade of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 2200-4000/- are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director (Grade-I)/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any, provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) *Promotion to higher grades*

The officers appointed to the posts of Assistant Director (Grade I)/Assistant Executive Engineers are eligible for promotion to higher grade viz. Deputy Director/Executive Engineer/Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade) the Chief Engineer subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1990 as amended from time to time.

(iv) *Scale of pay*

The scale of pay for the posts of Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

Name of the Post	Pay Scale
1. Assistant Director (Grade-I)/ Assistant Ex-Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
2. Dy. Director/ Ex-Engineer	Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500.
3. Director/Supt. Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 3700-125-4700-EB-150-5000.
4. Director/Sup. Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700.
5. Chief Engineer/ Member Secretary	Rs. 5900-200-6700

(v) *Duties and responsibilities*

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director (Grade I)/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection; operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

#### 8. POSTS IN THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—

Persons recruited to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Drilling Engineer (Junior) and Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India, shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any—

Provided that such a person :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Drilling Engineer (Junior) or Mechanical Engineer (Junior) Geological Survey of India, and

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules instructions on the subject :—

**A—For Drilling Engineer (Junior) Group 'A'—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.**

(i) Drilling Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

(ii) Director (Drilling)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

(iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.

(iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

**B—For Mechanical Engineer (Junior Group A)—Rs. 2200-75-2500-EB-100-4000/-.**

(i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.

(ii) Director (Mechanical Engineering)—Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.

(iii) Deputy Director General (Engineering Services)—Rs. 5900-200-6700/-.

(iv) Sr. Deputy Director General—Rs. 7300-100-7600/-.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

**NOTE :—**The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationers will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

*Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India Mechanical Engineer (Junior)*

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment, allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P.O.L. issues and records, log books, history sheets etc. Fabrication and Manufacturing of Drilling & Scientific accessories.

*Drilling Engineer (Junior)*

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeep of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintenance of stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

**9. ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS (DEPARTMENT OF TELE-COMMUNICATIONS).**

(a) Scale of pay Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-.

(b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 3000-100-3500-125-4500/- plus Rs. 200/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Adviser and Engineer-in-Charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-Charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser/Deputy Director (Scale Rs. 3700-125-4700-150-5000/-). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser/Deputy Director are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations, of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

(c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.

(d) Any person appointed to the post of Engineer shall if so required be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any.

Provided that such a person :—

(i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.

(i) Supervision guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.

(ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, maintenance and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of commissions.

- (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services
- (iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment of relevant technical standards, type-approval of equipment, studies of electromagnetic interference compatibility etc.
- (v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.
- (vi) Conducting of examination for Certificate of Proficiency/Radio Armatures etc. and issuing of respective licences.
- (vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.
- (viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, of other international/regional organisations dealing with telecommunications.

#### 10. CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scale of pay admissible :

Assistant Executive Engineer	Rs. 2200-75-2800-EB-160-4000/-.
Executive Engineers	Rs. 3000-100-3500-125-4500/-.
Superintending Engineer	Rs. 3700-125-4700-150-5000/-.
Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700/-.
Chief Engineer	Rs. 5900-200-6700/-.
Additional Director General (Road/Bridges)	Rs. 7300-100-7600/-.
Director General (Roads Development) and Additional Secretary	Rs. 7300-200-7500-250-8000/-.

NOTE : The pay of Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

#### (i) Civil Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs. and in the Regional Offices etc., of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads/Bridge work and scrutiny of proposals for such work received from the States.

#### (ii) Mechanical Engineering Posts :—

To assist the Senior Technical Officers at Hqrs., and in the Regional Offices etc., of the Roads Wing, Ministry of Surface Transport in planning, procurement, operation and maintenance of Roads/Bridges construction equipments, to prepare estimates for repairs and maintenance of such equipments and scrutiny of proposals and estimates received from the States.

#### 11. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the Controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for Extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing with the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) If, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

(b) *Appointment to the Service.*—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service whether in 'Akashvani' or in 'Doordarshan'.

(c) Liability for service in any part of India and other conditions of service :—

(I) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(II) Any officer appointed to the Service, if so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any, provided that such officers :—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Service.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

(d) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general.

The following are the scales of pay admissible :—

1. Junior Scale	Rs. 2200-75 2800-EB-100-4000
2. Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500
3. Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
5. Senior Administrative Grade	Rs. 5900-200-6700
6. Engineer-in-Chief	Rs. 7300-100-7600

Nature of Duties and responsibilities attached to the Post of Junior Scale of Indian Broadcasting (Engineers) Service (Group 'A') : Design, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

## 12. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

(a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service.

(b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.

(c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.

(d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.

(e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade-II—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—Rs. 3000—100—3500—125—4500.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)—Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 4500—150—5700.

(v) Director of Armament Supply—Rs. 5900—200—6700.



## (f) Prospects of Promotion to higher grades :—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 3000—4500/- on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers Course at the I.A.T., Kirkee.

(ii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade).

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 3700—5000 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade).

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 4500—5700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) Director of Armament Supply.

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) with 3 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 5900—6700 on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

**NOTE :** The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in to substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical, electronics and electrical devices and system production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.

(iii) Development work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical, electronics and electrical spare for armaments.

(v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos, mines and guns) measuring instruments etc.

(vi) Providing logistic support in respect of armament stores to fleet and Naval Establishments.

(vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronics and electrical engineering in respect of armaments.

### 13. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER IN THE BUILDING WORKS (GROUP 'A') SERVICE

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to service as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the scales of pay admissible :—

#### Group A

(i) Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(ii) Executive Engineer/Surveyor of Works (Civil/Electrical). Rs. 3000-100-3500-125-4500.

(iii) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) Rs. 3700-125-4700-150-5000.

(iv) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil/Electrical) (Selection Grade) Rs. 4500-150-5700.

(v) Civil Engineer (Civil/Electrical) (Senior Administrative Grade) Rs. 5900-200-6700.

(vi) Senior Deputy Director General (Building Works) Rs. 7300-100-7600.

(d) Nature of duties and responsibilities attached to post in P&T Civil Wing are as follows:—

Candidates recruited to P&T Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P&T Department comprising of Residential Buildings, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Stores and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asst. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

#### POST OF ASSISTANT DEVELOPMENT OFFICER (ENGINEERING) IN THE DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT:—

(a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.

(6) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.

(c) Assistant Development Officers with 5-years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 3000-100-3500-125-4500. 90% of the posts in the cadre of Development Officers are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Additional Industrial Adviser in the scale of pay of Rs. 4100-125-4850-150-5300. Additional Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Industrial Adviser (Rs. 4500-150-5700). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 5900-200-7300) and Deputy Director General in turn are eligible for promotion to the post of Secretary (TD) & DG (TD).

(d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Development Officer—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering (Automobile, Electronics Engineering Industries etc.

#### 15. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE

##### Group 'A'

(i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.

(iii) The following are the scales of pay admissible to them:

(a) AEE (Civil)	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000
Executive Engineer (Civil)	Rs. 3000-100-3500-125-4500
Superintending Engineer (Civil)	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Superintending Engineer (Civil) (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
Chief Engineer (Civil)	Rs. 5900-200-6700
Addl. DGBR	Rs. 7300-100-7600
(b) AEE (E&M)	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000
Executive Engineer (E&M)	Rs. 3000-100-3500-125-4500

Superintending Engineer(E&M)	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Superintending Engineer (E&M) (Selection Grade)	Rs. 4500-150-5700
Chief Engineer (E&M) Proposed to be created in due course)	Rs. 5900-200-6700

- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

No post of Chief Engineer exists at present on the Mechanical Engineering side.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down in above are those minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

- (v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified area besides the other usual allowances such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.

- (vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.

- (vii) Ladies are ineligible for appointment in Border Roads Engineering Service Group A in view of the extension of the provisions of Section 12 of the Army Act to this Service.

#### 16. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P & T TELECOM. FACTORIES ORGANISATION :—

- (i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay of Rs. 2200—4000/- shall be on a probation for a period of 2 years.
- (ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.
- (iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager, (Factories) shall, if so required be liable to serve in the Defence Services or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

- (iv) Prospects of promotion to higher grades :

- (a) Assistant Managers with a minimum of 5 years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 3000—4500.

- (b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Junior Admn. Grade in the scale of pay of Rs. 3700—5000/-.

- (c) Deputy General Manager/Manager with 5 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the Non-Functional Selection grade of Deputy General Manager/Manager (Selection Grade), Telecom Factory in the scale of Rs. 4500—5700/-.

- (d) Dy. General Manager/Manager with 8 years regular service in Junior Administrative Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) or 17 years of regular service in Group 'A' Post, out of which at least 4 years regular service should be in the JAG Grade (including service, if any, in the Non-functional Selection Grade) are eligible for promotion to the Grade of Chief General Manager Telecom-Factory in the scale of Rs. 5900—6700/- (Senior Administrative Grade).

- (v) Nature of duties and responsibilities attached to the post :

Assistant Manager—Supervision and management of Telecom Factories of Department of Telecom in the areas of production of Telecom stores and to deal with service matters of industrial and non-industrial workers and staff including their appointments.

Senior Engineer—Head of a branch viz. production planning, Development, Maintenance, Tools etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Deputy General Manager/Manager (Selection Grade) and Deputy General Manager/Manager—To assist the Chief General Manager in day-to-day work of general administration, production discipline, planning etc. Incharge of a Factory or production unit/Wing.

Chief General Manager—Head of the Telecom Factory, Responsible for overall control of general administration, production, planning, discipline, etc. in the Factory.

#### 17. SNURVEY OF INDIA GROUP 'A' SERVICE

1. Appointments will be made on probation for a period of two years.

Provided that the Controlling Authority may extend the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time in this regard

Provided further that any decision for extension of a probation period shall be taken ordinarily within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

On Completion of the period of probation or any extension thereof, as the case may be, if the Government is of the opinion that an officer is not fit for permanent appointment, for reasons to be recorded in writing, may discharge or revert the officer to the post held by him prior to his appointment in the service, as the case may be.

During the period of probation, or any extension thereof, candidates may be required by Government to undergo such courses of training and instructions and to pass examinations and tests (including examination in Hindi) as Government may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

2. Officers appointed shall be liable to serve anywhere in India and abroad.

3. Officers appointed shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Government may decide from time to time.

4. Any person appointed on the result of competitive examination shall if so required be liable to serve in any defence services or posts connected with defence of India for a period not less than 4 years including the period spent on training, if any; provided that such persons shall not be required :—

- (i) to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;
- (ii) ordinarily to serve as the aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. The following are the scale of pay admissible :—

Junior Scale	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.
Senior Scale	Rs. 3000-100-3500-125-4500
Junior Administrative Grade	Rs. 3700-125-4700-150-5000.
Selection Grade (Junior Administrative Grade)	Rs. 4500-150-5700
Senior Administrative Grade.	Rs. 5900-200-6700.
Surveyor General of India	7300-100-7600

6. Nature of duties and responsibilities attached to the various posts :

**Deputy Superintending Surveyor**—Required to carry out Survey work in the fields of geodesy photogrammetry, cartography and digital mapping as an individual worker, as well as Section Officer/Camp Officer to supervise Sections/Camps. He will also assist Officer-in-Charge (Superintending Surveyor) in both technical & administrative work of the unit.

**Superintending Surveyor**—Responsible for the organisation and discipline of the Party, custody, maintenance and accurate accounting of stores, economical expenditure of funds at his disposal, proper training of all his Officers and men in their duties and in the method of Survey best suited to the work, execution and supervision of all technical to the work, execution and supervision of all technical work—field verification, fair mapping, photogrammetry and digital mapping etc.

**Deputy Director**—Assist the functional Director in smooth and efficient functioning of the Directorate, responsible for scrutinising, completion and monitoring of all technical, administrative and financial reports and returns, for arranging trade tests, circle DPCs presiding over procurement boards, finalising of tender and contract and all other matter delegated by the Director.

**Director/Deputy Director Selection Grade**—Responsible for all surveys and mapping, appointing and disciplinary authority for all Group 'C' staff, technical coordination, guidance, supervision and monitoring of Surveying & Mapping operations including advise to State Govt., Central project Authorities etc. etc., financial management, budgeting, monitoring and control of entire expenditure of the Directorate.

**Additional Surveyor General**—Complete overall responsibility for the efficient performance of the Circles under his charge in respect of technical, scientific, administration, finance and accounts, finalising the field and fair mapping programmes and printing work for all circles under his charge, monitoring progress of technical work according to the prescribed norms and ensure requisite standard of accuracy at every stage, responsible for development/adoption of new technical methods of work, advise to State Govts. on all surveying matters falling in his Zone.